स्व. श्री रामगोपाल पाण्डेय कहा करते थे - उत्तम से सर्वोत्तम बनने का प्रयास करते रहना चाहिए और इसके लिए सर्वश्रेष्ठ शिक्षा जरूरी है।

स्व. श्री रामगोपाल पाण्डेय
जिनका पूरा जीवन सादगी और माँ भारती
के लिए समर्पित था।

दिव्य आकाश

कोरबा से प्रकाशित एवं मुद्रित प्रथम बहुरंगी साप्ताहिक अखबार

कोरबा, शुक्रवार, दिनांक 07 से 13 मार्च 2025

सुविचार

जीवन और मरण प्रकृति का
शास्वत नियम है...
जिसका जीवन प्रेरणा बन जाए,
ऐसा ही जीवन सार्थक
होता है।

नैनं छिन्दन्ति शस्त्राणि नैनं दहति पावकः ।
न चैनं क्लेदयन्त्यापो न शोषयति मारुतः ॥

शोक संदेश

स्व. श्री रामगोपाल पाण्डेय जी

स्वर्गारोहण : 01 मार्च 2025, दिनः शनिवार

अत्यंत दुःख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि हमारे परमपूज्य पिताश्री

द्विजोत्तम सर्वश्री रामगोपाल पाण्डेय जी

का **स्वर्गारोहण** गत 01 मार्च 2025, दिन-शनिवार, पौष फाल्गुन शुक्ल द्वितीया विक्रम संवत् 2081 को हो गया है।

जिनका दशगात्र 11 मार्च 2025, दिन : मंगलवार को हमारे निवास स्थान ट्रांसपोर्ट नगर कोरबा में सम्पन्न होगा।

स्वर्ग में परम वैभव को प्राप्त दिवंगत आत्मा की शांति के लिए आपकी उपस्थिति प्रार्थनीय है।

तेरहवीं, पगड़ी रस्म, भोग प्रसादी

दिनांक : 12 मार्च 2025, दिन : बुधवार
समय : दोपहर 1:00 बजे से
स्थान : पाटीदार भवन, ट्रांसपोर्ट नगर कोरबा
जिला-कोरबा (छ.ग.)

पिता धर्मः
पिता स्वर्गः
पिता ही परमं तपः।

पितरि प्रीतिमापन्ने
सर्वाः प्रीयंति देवताः

शोक संतप्त परिवार :-
ओम प्रकाश पाण्डेय (भतीजा)
विष्णु प्रसाद पाण्डेय (भतीजा)
एवं समस्त पाण्डेय परिवार

ॐ शान्ति

शोकाकुल : -
सुनील पाण्डेय (पुत्र) मो.: 98271-61966
सुबोध पाण्डेय (पुत्र) मो.: 94255-32558
पंकज पाण्डेय (पुत्र) मो.: 90091-60151
श्रीमती रूक्मिणी पाण्डेय (धर्मपत्नी)

निवेदन : जिस किसी को शोक पत्र न मिला हो, कृपया इसे ही शोक पत्र समझकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए कार्यक्रम स्थल पहुंचने की कृपा करें।

महिलाओं के सशक्तिकरण में भारत ने शुरू किया नया अध्याय, प्रधानमंत्री मोदी की प्रेरक यात्रा

नई दिल्ली, (एजेंसी)।

जैसा कि दुनिया अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मना रही है, भारत महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास की दिशा में प्रेरक कदम उठा रहा है। यह बदलाव बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह महिलाओं को सिर्फ अवसर देने तक सीमित नहीं है, बल्कि उन्हें नेतृत्व करने का अधिकार भी देता है। भारत अब एक ऐसे भविष्य की ओर बढ़ रहा है, जहां महिलाएं न केवल विकास का हिस्सा होंगी, बल्कि उनका नेतृत्व भारत के भविष्य को आकार देगा।

भारत ने हमेशा महिला नेतृत्व की समृद्ध परंपराओं को सम्मानित किया है, जिनमें वैदिक काल की विदुषी महिलाएं जैसे गार्गी और मैत्रेयी से लेकर स्वतंत्रता संग्राम में रानी लक्ष्मीबाई जैसी बहादुर महिलाओं तक का योगदान रहा है। वर्तमान में, द्रौपदी मुर्मू जैसे उच्च पदों पर आसीन महिलाओं का उदाहरण भारत की बढ़ती महिला नेतृत्व की दिशा को दर्शाता है।

भारत में महिला वैज्ञानिकों की भूमिका बढ़ी

भारत में महिला वैज्ञानिकों की प्रमुख भूमिका भी बढ़ी है। चंद्रयान और मंगलयान मिशन के सफल होने में महिला वैज्ञानिकों का अहम योगदान रहा है। इसके अलावा, भारत में महिलाओं का प्रतिनिधित्व विज्ञान, चिकित्सा, व्यवसाय और सशस्त्र बलों में भी बढ़ा है। भारत में अब लाखों महिलाओं को सशक्त बनाया जा रहा है। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत लाखों महिलाएं अब आर्थिक रूप से सशक्त हो रही हैं। पीएम मुद्रा योजना ने महिलाओं को 69त्न से अधिक ऋण दिए हैं। साथ ही, स्वच्छ भारत मिशन और जल जीवन मिशन जैसी योजनाओं ने लाखों महिलाओं को घरों में शौचालय और स्वच्छ पानी जैसी सुविधाएं प्रदान की हैं।

महिलाओं को 26 सप्ताह तक मातृत्व अवकाश

भारत सरकार ने महिला आरक्षण विधेयक जैसे कानूनों के जरिए महिलाओं को और अधिक सशक्त करने की दिशा में कदम बढ़ाए हैं। मातृत्व लाभ अधिनियम में संशोधन ने महिलाओं को 26 सप्ताह तक के मातृत्व अवकाश का अधिकार दिया है। महिला हेल्पलाइन और शी-बॉक्स जैसी पहल महिलाओं को संकट के समय मदद प्रदान करती हैं। इसके अलावा, राज्यों को कामकाजी महिलाओं के लिए छात्रावास स्थापित करने के लिए विशेष सहायता भी दी जा रही है।

प्रधानमंत्री ने जी20 के दौरान कही थी ये बात

2024 में जी20 अध्यक्षता के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास को बढ़ावा देने की बात की थी। यह भारत के प्रति महिलाओं के योगदान की अहमियत को मान्यता देने का हिस्सा है। इस महिला दिवस पर, हमें यह समझना चाहिए कि महिलाओं का नेतृत्व विकास और समृद्धि की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण है। आइए हम सब मिलकर AccelerateAction के माध्यम से भारत के भविष्य को आकार देने में नेतृत्व करें और इस प्रेरक यात्रा का हिस्सा बनें।

कल्कि अवतार के नाम से गाँव में दहशत फैलाने वाला आरोपी गिरफ्तार

उरगा थाना क्षेत्र में घटित रामसिंह कंवर हत्याकांड का पुलिस ने सफलतापूर्वक खुलासा कर दिया है। यह हत्या पूरी तरह से अवैध प्रेम संबंध का परिणाम थी।

कोरबा (दिव्य आकाश)।

गत 23-24 फरवरी की दरमियानी रात को ग्राम पकरिया नवापारा में रामसिंह कंवर उम्र 60 वर्ष की किसी अज्ञात ने धारदार हथियार से सिर पर जानलेवा हमला कर घायल कर दिया जिसकी अगले दिन अस्पताल में मृत्यु हो गई थी। हमले की सूचना मिलते ही पुलिस ने तुरंत घटना स्थल पहुंच कर क्राइम सीन को सुरक्षित कर FSLटीम को बुलाकर घटना स्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। साथ ही घटना स्थल के आस पास ही 3 अलग- अलग जगहों पर राम सिंह के बेटे जगदीश का नाम, कलयुग के कल्कि, झूठ बोलना पाप है... आदि लिखा हुआ दिखाई दिया। फिर दो दिन बाद 26 फरवरी को सुबह घटना स्थल के सामने के घर की दीवार पर अगला टारगेट मोनू, कलयुग के कल्कि, शराब बंद, पकरिया में 5 हत्या और होने वाली है, पुलिस को आरोपी की खोजबीन से दूर रहने की धमकी लिखी हुई दिखाई दी। इसके बाद आस पास के क्षेत्र में सनसनी फैल गई और पूरे गांव में दहशत का माहौल हो गया। इस पर पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर नगर पुलिस अधीक्षक भूषण एक्का, साइबर प्रभारी रविन्द्र कुमार मीना एवं थाना प्रभारी युवराज तिवारी के नेतृत्व मे पुलिस ने पकरिया नवापारा गांव मे 24×7 लगातार कैंप किया। चूंकि दीवार पर मृतक के बेटे जगदीश का नाम लिखा था। तो पुलिस ने जगदीश को केंद्र में रखकर प्रत्येक एंगल पर काम करना शुरू किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक ने साइबर प्रभारी रविन्द्र कुमार मीना एवं नगर पुलिस अधीक्षक भूषण एक्का के नेतृत्व मे 26 सदस्यीय टीम गठित कर हर दृष्टि से विवेचना प्रारम्भ कराई । जिसमें एक टीम जमीन संबधी विवाद पर, एक टीम अवैध संबंधों पर, एक टीम चुनावी रंजिश पर, एक टीम कलयुग के कल्कि तथा एक टीम 4 मार्च को सुबह पुलिस को गांव स्थित श्मशान घाट में एक तलवारनुमा हथियार के साथ एक पत्र मिला, जिस पर काम कर रही थी।

मामले का खुलासा करते एसपी सिद्धार्थ तिवारी एवं अन्य पुलिस अधिकारी

मामले की बढ़ती गंभीरता को देखते हुए विवेचना को बारीकी से मॉनीटर करने के लिए स्वयं पुलिस अधीक्षक ने उरगा थाना में कैंप किया।

इस प्रकार हर दृष्टि से विवेचना करने पर पता चला कि मृतक के पुत्र जगदीश का गांव की ही एक महिला से अवैध सम्बन्ध था। इसी महिला का आरोपी के साथ भी अवैध सम्बन्ध था। इस बात का पता जब आरोपी को चला तो उसने जगदीश को मारने की योजना बनाई। इसके लिए लगभग दो माह पूर्व उसने लोहे का एक धारदार तलवारनुमा हथियार बनाया। जिस हथियार को लेकर वह घटना दिनांक को जगदीश को मारने के उद्देश्य से मृतक के घर आया। लेकिन जगदीश के नहीं मिलने पर उसने मंच पर सोए उसके पिता पर उस धारदार हथियार से सिर पर हमला किया और दीवार पर जगदीश के लिए चेतावनी लिखी। फिर उसने पुलिस को गुमराह करने के लिए कलयुग के कल्कि जैसी कहानी बनाई। फिर अखबार एवं अन्य समाचार माध्यम से पढ़ा कि रामसिंह की अस्पताल में मृत्यु हो गई है, तो उसने पुलिस को और गुमराह करने के लिए एक दिन बाद मोनू की दीवार पर लिखा... जिसमें मोनू को अपना अगला टारगेट बताया। शराब बंदी के बारे में लिखा, पकरिया में 5 मौत और होने वाली है... लिखकर पुलिस को गुमराह किया। पुन: जब उसको अखबार एवं अन्य समाचार माध्यम से ये पता चला कि पुलिस जगदीश से गहन पूछताछ कर रही है, तो उसने फिर पुलिस को गुमराह करने के उद्देश्य से 4 मार्च को रात में श्मशान घाट में तलवारनुमा हथियार के साथ एक लेटर छोड़ा ।

इस प्रकार आरोपी विकास यादव ने मूल रूप से जगदीश कंवर की हत्या की योजना बनाई थी, लेकिन जगदीश के नहीं मिलने पर उसके पिता रामसिंह कंवर पर हमला कर दिया, जिससे उसकी अस्पताल में इलाज के दौरान मृत्यु हो गई। घटना के बाद, आरोपी ने गाँव में कल्कि अवतार के नाम से दीवारों पर भ्रामक संदेश लिखकर दहशत फैलाने की कोशिश की, ताकि पुलिस गुमराह हो जाए और मामला रहस्यमयी बन सके।

इस मामले में उरगा थाना में अपराध क्रमांक 59/2025, धारा 103 (1) , 109 BNS के तहत् अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया। आरोपी विकास यादव साकिन ग्राम सिवनी चांपा को विधिवत् रूप से गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा जा रहा है।

इनकी रही महत्वपूर्ण भूमिका

इस जघन्य अपराध की विवेचना पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी (भा.पु.से.) के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नीतीश ठाकुर के मार्गदर्शन तथा क्राइम एवं यातायात प्रभारी रविन्द्र कुमार मीना (भा.पु.से.) एवं नगर पुलिस अधीक्षक कोरबा भूषण एक्का के नेतृत्व में गठित विशेष टीमों द्वारा की गई।

इस महत्वपूर्ण जाँच में निरीक्षक युवराज तिवारी (थाना प्रभारी उरगा), उप निरीक्षक प्रेम चंद साहू (थाना दीपका), उप निरीक्षक अजय सोनवानी (साइबर सेल), सउनि संतराम सिन्हा, सउनि परमेश्वर गुप्ता, सउनि अमर जायसवाल (पुलिस केंद्र मानिकपुर), सउनि राम पाण्डेय (थाना कटघोरा), सउनि दुर्गेश राठौर (थाना सिविल लाइन रामपुर), सउनि चक्रधर राठौर (थाना कोतवाली), सउनि अनिल खाण्डे (थाना बाकीमोंगरा), प्रधान आरक्षक गुना राम (साइबर सेल), प्रधान आरक्षक सचिन नवनीत (थाना उरगा), प्रधान आरक्षक राजेश कंवर (रक्षित केंद्र कोरबा), प्रधान आरक्षक लखन कुर्रे, प्रधान आरक्षक बसंत भैना, महिला प्रधान आरक्षक गीता तिर्की (थाना उरगा), प्रधान आरक्षक किशोर तिग्गा (थाना उरगा), आरक्षक आलोक टोप्पो (साइबर सेल), आरक्षक कौशल महिलांगे (थाना कोतवाली), आरक्षक चंद्रकांत गुप्ता (थाना कोतवाली), आरक्षक राम पाटले (थाना यातायात), आरक्षक प्रदीप राठौर (पुलिस केंद्र मानिकपुर), आरक्षक संजय रात्रे (पुलिस केंद्र मानिकपुर), आरक्षक अशोक चैहान (थाना दर्री), आरक्षक रितेश शर्मा (रक्षित केंद्र कोरबा), आरक्षक झंगल मंझवार (थाना उरगा), आरक्षक समार सिंह (थाना उरगा), आरक्षक विकास कौशले (थाना करतला), महिला आरक्षक सुर्या खुटे (थाना उरगा), महिला आरक्षक अनुराधा कंवर (थाना उरगा), आरक्षक सुनील गुप्ता (डॉग स्कॉड),आरक्षक उमेश मैशमा, आरक्षक समार साय पैकरा, आरक्षक रामकुमार पैकरा, आरक्षक नितेश तिवारी, आरक्षक प्रेमचंद साहू, आरक्षक नरेश तंदेल, आरक्षक महासिंह सिदार, आरक्षक वीरेंद्र अनंत, आरक्षक अजय यादव, आरक्षक पुष्पेंद्र खूंटे, आरक्षक रामेन्द्र बर्मन, आरक्षक यादराम बघेल, आरक्षक श्यामजी एक्का, आरक्षक ओम प्रकाश निराला, आरक्षक डेमन ओंग्रे, विरके'वर प्रताप सिंह, सुशील, प्रशांत, रवि चैबे, रेणु टोप्पो (साइबर सेल) ने सराहनीय योगदान दिया। आर0 नीरज डेनियल, देवराज कैवर्त, दिनेश कुमार मरावी, चंद्रसेन खूटें, रामचंद राजपूत ,वं एफएसएल टीम डॉ- सत्यजीत सिंह कोसरिया, डॉ- राजश्री सिंह, प्र-आर- हेमन्त चैहान।

डीएफओ, असिस्टेंट-कमिश्नर समेत 2 शिक्षकों के घर एसीबी-ईओ डब्ल्यू की रेड

जगदलपुर (एजेंसी)।

छत्तीसगढ़ में एसीबी, ईओडब्ल्यू की रेड पड़ी है। रायगढ़, जगदलपुर, दंतेवाड़ा, बीजापुर, सुकमा समेत 14 ठिकानों पर कार्रवाई चल रही है। सुकमा में निलंबित डीएफओ अशोक पटेल सहित छिंदगढ़ और कोंटा के 2 शिक्षकों के घर जांच जारी है।

बीजापुर के सहायक आयुक्त के जगदलपुर स्थित मकान में भी दबिश दी गई। यहां उनके रिश्तेदारों के घर में भी कार्रवाई चल रही है। रायपुर से पहुंची एसीबी और ईओडब्ल्यू की 13 अफसरों की टीम जांच कर रही है। अब तक की कार्रवाई में नगदी और जेवरात मिलने की खबर है। सुबह करीब 13 टीमों ने दबिश दी है।

इन 3 लोक सेवक अधिकारियों पर एक्शन

श्याम सुंदर सिंह चौहान, तत्कालीन डी.एम.सी., समग्र शिक्षा विभाग, सुकमा,अशोक कुमार पटेल, तत्कालीन डी. एफ.ओ. सुकमा,आनंद जी सिंह, उपायुक्त, आदिवासी विकास विभाग, बीजापुर।

सुकमा में स्थानीय प्रशासन को नहीं थी खबर

सुकमा के डीएफओ अशोक पटेल के घर टीम तड़के 4 बजे पहुंची। हालांकि, इस कार्रवाई की स्थानीय प्रशासन को कोई सूचना नहीं थी। डीएफओ के घर में एसीबी और ईओडब्ल्यू की टीम ने एक साथ दबिश दी। वहीं रायगढ़ के कृष्णा वाटिका और पैतृक ग्राम झालमुड़ा में भी कार्रवाई चल रही है। इसी तरह छिंदगढ़ और कोंटा के 2 शिक्षकों के घर में भी जांच जारी है। एक शिक्षक कांग्रेस सरकार के दौरान डीएमसी भी रह चुके हैं। फिलहाल कार्रवाई जारी है। जांच के बाद ही स्थिति साफ होगी। बीजापुर के सहायक आयुक्त आनंदजी सिंह के निवास में भी छापा पड़ा है। आनंदजी सिंह पहले दंतेवाड़ा में भी सहायक आयुक्त के पद पर रह चुके हैं। वे वर्तमान में बीजापुर में पोस्टेड हैं। जगदलपुर में भी उनका निवास है।

रायपुर-जगदलपुर के 10 ठिकानों में पड़ी थी आई टी की रेड

जगदलपुर और रायपुर में कुछ दिन पहले ही आईटी ने 3 कारोबारियों के ऑफिस और फैक्ट्री समेत 10 ठिकाने पर छापेमारी की थी। इनमें बस्तर चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष श्याम सोमानी, रामा स्टील और रामा उद्योग ग्रुप पर छापा पड़ा था। टैक्स चोरी की शिकायत पर रेड की गई थी। बिल्डर श्याम सोमानी के जगदलपुर निवास और दफ्तर में रायपुर की टीम ने सुबह दबिश दी। करीब 10 से 12 अधिकारी पहुंचे थे।

श्याम सोमानी के पास बस्तर में बीएमएस कंस्ट्रक्शन कंपनी

श्याम सोमानी बस्तर चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष हैं। उनकी बस्तर में बीएमएस कंस्ट्रक्शन कंपनी है। साथ ही बस्तर मंडी के पूर्व अध्यक्ष भी रह चुके हैं। वे इमली, महुआ जैसे वनोपज के बड़े व्यापारियों में से एक हैं। इन पर टैक्स चोरी करने का आरोप है।

भूख-प्यास से 19 गायों की मौत

सड़कर कंकाल बनेन्नदी किनारे फेंका, बदबू फैलने पर पता चला, गरियाबंद के गौशाला में 150 मवेशी बचाए गए

गरियाबंद (एजेंसी)।

छत्तीसगढ़ के गरियाबंद में कोपरा गौशाला में 2 महीने में भूख-प्यास से 19 गायों की मौत हो गई। कुछ तो कंकाल में तब्दील हो गईं। मृत गायों को पैरी नदी के किनारे फेंक दिया गया। बदबू फैलने के बाद इसका खुलासा हुआ। जांच में पता चला कि, चरवाहों और केयर टेकर को पिछले दो महीने से सैलरी नहीं मिली है। इस कारण गौवंश की देखभाल नहीं हो पाई।

स्थानीय लोगों की शिकायत पर राजिम एसडीएम विशाल महाराणा अपनी टीम के साथ जांच के लिए पहुंचे। पता चला कि, गौशाला में मौजूद 150 मवेशी भी भूख से बेहाल थे। चारा-पानी नहीं मिलने के कारण कई पशु तो खड़े होने की स्थिति में भी नहीं थे। प्रशासन ने गौशाला संचालक मनोज साहू को फटकार लगाई। जिम्मेदार पशु चिकित्सक को भी नोटिस जारी होगा।

150 मवेशियों का रेस्क्यू

प्रशासन ने बाकी सभी 150 मवेशियों को रेस्क्यू कर लिया है। जिला प्रशासन अब गौशाला का संचालन दूसरी संस्था को सौंपने की तैयारी कर रहा है। संचालक मनोज साहू के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की कार्रवाई भी शुरू कर दी गई है।

वहीं, स्थानीय लोगों ने उच्च स्तरीय जांच और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। गरियाबंद कलेक्टर ने घटना के बाद सीएमओ, संस्था प्रमुख और स्थानीय पशु चिकित्सा को नोटिस जारी करने के आदेश दिए है। एसडीएम विशाल महाराणा ने इस पूरे मामले को लेकर संस्था प्रमुख को दस्तावेजों के साथ तलब किया है।

विहिप और बजरंग दल सक्रिय हुआ, तब हुई कार्रवाई

गायों की मौत की जानकारी विहिप कार्यकर्ता कुणाल साहू और अजय यादव को लगी, तो वे संगठन से बात कर निगरानी में लगे थे। उन्होंने बताया कि, 6 साल पहले

कोपरा के इस गौशाला का शुभारंभ गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष विशेश्वर पटेल ने किया था। लेकिन लापरवाही के चलते गौवंशों की मौत हो रही है।

एक महीने के भीतर 45 से ज्यादा गौवंश की मौत- बजरंग-विहिप

बजरंग दल जिला संयोजक मोहित साहू और विहिप के डिगेश्वर वर्मा ने कहा कि, गौशाला में पर्याप्त चारे की व्यवस्था नहीं थी। उन्होंने आरोप लगाया है कि, एक महीने के भीतर 45 से ज्यादा गौवंश की मौत हुई है। लेकिन उनका विधिवत अंतिम संस्कार भी नहीं किया गया। संचालक और जिम्मेदारों पर कार्रवाई हो। गौशाला संचालन के लिए नगर पंचायत को सौंप दिया जाए।

छत्तीसगढ़ में पहली बार किसी स्टूडेंट को 18 गोल्ड मेडल

श्रीराधा बोलीं- मेहनत के साथ स्मार्ट वर्क जरूरी,3 घंटे पढ़कर भी बन सकते हैं टॉपर

रायपुर (एजेंसी)।

शनिवार को छत्तीसगढ़ के हिदायतुल्लाह नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी का आठवां दीक्षांत समारोह हुआ। इसमें त्न में 33 और U PG के 4 टॉपर्स मिलाकर कुल 37 गोल्ड मेडल दिए गए। इनमें 18 गोल्ड मेडल केवल अकेले G की स्टूडेंट राधा राय चौधरी को मिला। किसी भी एकेडमिक सेशन में छत्तीसगढ़ के लिहाज से श्री राधा पहली स्टूडेंट हैं जिन्हें 18 गोल्ड मेडल मिले हैं। उनका कहना है कि मेहनत का कोई दूसरा ऑप्शन नहीं है, लेकिन मेहनत के साथ स्मार्ट वर्क भी जरूरी है। इससे रोजाना 2 से 3 घंटे पढ़कर भी टॉपर बना जा सकता है।

महिला कर्मियों ने संभाली बिलासपुर रेलवे स्टेशन की कमान

बिलासपुर (एजेंसी)।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर ने महिला कर्मियों के सम्मान, सशक्तिकरण और सुरक्षा को लेकर कई महत्वपूर्ण पहल की। नॉर्थ ईस्ट इंस्टीट्यूट ऑडिटोरियम में भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें रेलवे की महिला कर्मचारियों के योगदान को सराहा गया। वहीं, बिलासपुर रेलवे स्टेशन पर दिनभर टिकटिंग और ट्रेन परिचालन की कमान महिला कर्मियों ने संभाली, जिससे उनके कौशल और नेतृत्व क्षमता का प्रदर्शन हुआ।

इसके अलावा, महिला यात्रियों की सुरक्षा को और सशक्त बनाने के लिए महिला आरपीएफ कर्मियों को मिर्च स्प्रे कैन से लैस करने की पहल की गई, जिससे वे आपातकालीन परिस्थितियों में तुरंत कार्रवाई कर सकें।

बिलासपुर रेलवे स्टेशन पर महिलाओं ने संभाली कमान

महिला दिवस के दिन बिलासपुर रेलवे स्टेशन पर पूरे दिन आरक्षित (पीआरएस) और अनारक्षित (यूटीएस) टिकट काउंटरों की कमान महिला कर्मियों ने संभाली। यात्रियों की सहायता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए महिला सिविल डिफेंस कर्मियों की विशेष तैनाती भी की गई।

12 साल बाद चैंपियंस ट्रॉफी जीतने पर पूरे भारत में जश्न : जगह-जगह आतीशबाजी, झूमे लोग

दिव्य आकाश

कोरबा से प्रकाशित एवं मुद्रित प्रथम बहुरंगी साप्ताहिक अखबार

वर्ष - 15, अंक - 48 | कोरबा, शुक्रवार, दिनांक 07 से 13 मार्च 2025 | पृष्ठ - 8 मूल्य रू. 3.00

12 साल बाद टीम इंडिया ने अपने नाम की

चैंपियंस ट्रॉफी

न्यूजीलैंड को 4 विकेट से हराया, रोहित की कप्तानी में 9 महीने में दूसरा आईसीसी खिताब

दुबई (एजेंसी)।

टीम इंडिया ने फाइनल में न्यूजीलैंड को 4 विकेट से हराकर चैंपियंस ट्रॉफी जीत ली है। दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में इंडिया ने 252 का टारगेट 48 ओवर में चेज कर लिया।

9 महीने में बतौर कप्तान रोहित शर्मा का यह दूसरा ICC खिताब है। उन्होंने पिछले साल 29 जून को टी-20 वर्ल्ड कप भी जिताया था।

रोहित शर्मा ने कप्तानी पारी खेली और 76 रन बनाए।रन चेज में श्रेयस (48 रन), केएल राहुल (नाबाद 34 रन), अक्षर पटेल (29 रन) का अहम रोल रहा।

गेंदबाजी में सबसे बड़ा रोल रहा कुलदीप यादव का, जिन्होंने दो ओवर में लगातार 2 विकेट लेकर गेम इंडिया के पाले में ला दिया। उन्होंने रचिन रवींद्र और केन विलियम्सन को पवेलियन भेजा। न्यूजीलैंड से सबसे ज्यादा स्कोर डेरिल मिचेल (63 रन) का रहा।

दोनों टीमों की प्लेइंग-11

भारत - रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल, हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव, मोहम्मद शमी और वरुण चक्रवर्ती।

न्यूजीलैंड - मिचेल सैंटनर (कप्तान), विल यंग, रचिन रवींद्र, केन विलियम्सन, डेरिल मिचेल, टॉम लैथम (विकेट कीपर), ग्लेन फिलिप्स, माइकल ब्रेसवेल, नाथन स्मिथ, काइल जैमीसन और विलियम ओरूर्क।

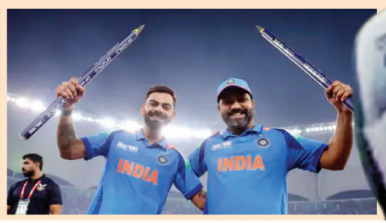

भिखारी बनकर लूट करने वाला असद एनकाउंटर में ढेर

मथुरा (एजेंसी)।

मथुरा पुलिस ने एक लाख के इनामी बदमाश फाती उर्फ असद (48) को ढेर कर दिया। असद पर 36 से ज्यादा मुकदमे थे। पुलिस लंबे अर्से से उसकी तलाश कर रही थी। वह भीखारी बनकर रेकी करता था। SSP शैलेश पांडेय ने बताया-रविवार तड़के पुलिस को सूचना मिली कि थाना हाईवे के कृष्णा कुंज कॉलोनी के एक घर में फाती अपने 3 साथियों के साथ छिपा है।

उपराष्ट्रपति धनखड़ की तबितय बिगड़ी, एम्स में भती

नई दिल्ली (एजेंसी)।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ (73 साल) को दिल्ली एम्स में भर्ती कराया गया है। उन्होंने देर रात बेचैनी और सीने में दर्द की शिकायत की थी। उसके बाद रविवार सुबह करीब 2 बजे उन्हें एम्स में एडमिट किया गया। एम्स के मुताबिक फिलहाल वह कार्डियोलॉजी विभाग के प्रमुख डॉ. राजीव नारंग की देखरेख में क्रिटिकल केयर यूनिट (CCU) में हैं। उनकी हालत स्थिर बताई गई है। पीएम नरेंद्र मोदी ने रविवार को एम्स हॉस्पिटल जाकर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। उन्होंने एक्स पर लिखा- एम्स गया और उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के स्वास्थ्य के बारे में पूछा। मैं उनके अच्छे स्वास्थ्य और जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं।

युवराज ने लगाए 3 छक्के:लारा की टीम 7 रनों से हारी

रायपुर (एजेंसी)।

रायपुर में खेले गए क्रिकेट मैच में इंडियन टीम ने वेस्टइंडीज को 7 रनों से हरा दिया। दरअसल यहां इंटरनेशनल मास्टर्स क्रिकेट लीग खेली जा रही है। भारत और दुनिया के नामी पूर्व क्रिकेटरों की टीम इस मैच में आमने-सामने हैं। शनिवार को शहीद वीर नारायण क्रिकेट स्टेडियम में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने मैच का उद्घाटन किया। इस दौरान ष्टरू साय और सचिन तेंदुलकर के बीच बातें भी होती दिखीं। सीएम साय सचिन से मिलकर बेहद खुश हुए। जब वो मैदान में सचिन से मिले तो कहा- हमने सचिन को अब तक सिर्फ टीवी पर खेलते हुए देखा था, लेकिन आज उनसे मुलाकात करने का मौका मिला। यह पल मेरे लिए बेहद खास रहा।

7 रनों से वेस्ट इंडीज को हराया

इंडिया मास्टर्स और वेस्टइंडीज मास्टर्स के बीच मैच में भारत की कप्तानी युवराज सिंह कर रहे थे। उन्होंने तीन छक्के लगाकर ऑडियंस का दिल जीत लिया, मगर दूसरी तरफ मैच जीतने में वेस्टइंडीज के ब्रायन लारा की टीम नाकामयाब रही। 7 रनों से वेस्ट इंडीज को हार का सामना करना पड़ा। इस लीग के सेमीफाइनल में अब भारतीय टीम ने अपनी जगह पक्की कर ली है।

नक्सली बताकर 6 ग्रामीणों की गिरफ्तारी:2015 से फरार थे, कांकेर में पुलिस की कार्रवाई से ग्रामीणों में आक्रोश, उग्र आंदोलन की चेतावनी

कांकेर (एजेंसी)।

कांकेर में पुलिस ने शनिवार-रविवार की रात मुरागांव के आश्रित ग्राम भैसगांव और टोंडामरका से नक्सली बताकर छह ग्रामीणों को गिरफ्तार कर लिया है, जिससे ग्रामीणों में गुस्सा फैल गया। पुलिस के अनुसार, ये सभी 2015 से फरार नक्सली आरोपी थे, जिन्होंने ग्राम भैसगांव और टोंडामरका में तीन ग्रामीण परिवारों के साथ मारपीट कर उन्हें धमकी दी थी और गांव छोड़ने पर मजबूर किया था।

गुरुवार को इस घटना के विरोध में कोतवाली थाने में ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। ग्रामीणों ने बताया कि पुलिस ने 70 साल चंदन के ग्रामीण को भी गिरफ्तार किया है। ये सभी खेती-किसानी करने वाले हैं। जिला पंचायत सदस्य मृदुला भास्कर ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि पुलिस ने कांकेर, कोरर और आमाबेड़ा थाने के अलावा पुलिस अधीक्षक कार्यालय तक चक्कर कटवाया, लेकिन ग्रामीणों की गिरफ्तारी का कारण नहीं बताया गया।

पूर्व जिला पंचायत सदस्य नरोत्तम पडोटी ने कहा कि दो गांवों के छह ग्रामीणों को नक्सली होने का आरोप लगाकर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इस घटना की जानकारी लेने के लिए पूरे क्षेत्र के ग्रामीण कांकेर पहुंचे, लेकिन अब तक उन्हें कोई स्पष्ट जानकारी नहीं मिल सकी है।

30 मार्च को पीएम मोदी आएंगे बिलासपुर

बिलासपुर (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 30 मार्च को छत्तीसगढ़ आएंगे। बिलासपुर में वो सभा को संबोधित करेंगे। बिल्हा के ग्राम मोहभट्ठा में प्रधानमंत्री की विशाल आमसभा होगी। इसकी तैयारियों का जायजा लेने केंद्रीय आवास और शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू और उप मुख्यमंत्री अरुण साव बिलासपुर पहुंचे। केंद्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू और उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने मैदान के विभिन्न हिस्सों में अलग-अलग व्यवस्थाओं के लिए चिन्हांकित स्थलों का जायजा लिया। उप मुख्यमंत्री साव ने कहा कि यह हमारे लिए सौभाग्य की बात है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हजारों करोड़ की सौगात लेकर छत्तीसगढ़ आ रहे हैं।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस :महापौर संजू देवी सहित महिलाओं का सम्मान

कोरबा (दिव्य आकाश)।

यूथ हॉस्टल एसोसिएशन कोरबा इकाई छत्तीसगढ़ राज्य ने 8 मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया। इस अवसर पर कोरबा महापौर श्रीमती संजू देवी राजपूत मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। वरिष्ठ सदस्य सुमन सेठ और शिव कुमारी ने श्रीमती संजू देवी को जीवंत पौधा भेंट कर स्वागत किया। राज्य चेयरमैन संदीप सेठ ने वाईएचएआई के कार्यों पर प्रकाश डाला तथा मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह भेंट किया। इसके बाद उपस्थित महिलाओं का स्वागत किया गया और मानवता के लिए विभिन्न संगठनों में उनके द्वारा किए जा रहे कार्यों के लिए उन्हें प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। संजू देवी ने ओजस्वी भाषण दिया और बताया कि आजकल महिला सशक्तिकरण कैसे बढ़ रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि वाईएचएआई पिछले 25 वर्षों से कोरबा में युवाओं के लिए बहुत अच्छा काम कर रहा है। तद पश्चात कोरबा जिले की प्रथम महिला श्रीमती संजू देवी को इकाई की महिला सदस्यों द्वारा सर्टिफिकेट देकर अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर सम्मान किया। यूथ हॉस्टल ने सफाई दीदीयों को भी प्रशस्ति पत्र तथा आर्थिक मदद कर उनका सम्मान किया । कार्यक्रम का समापन स्वादिष्ट रात्रि भोज से हुआ। कार्यक्रम में सीमा, प्रियंका, स्वाति, शील, प्रीति, शारदा, सविता, पद्मा ललिता, राजेश, विजेश, मनोज, संजय तिवारी, भूपेन्द्र राजपूत, अतुल, शालिनी आदि उपस्थित रहे और कार्यक्रम को सफल बनाया।

कोरबा निगम सभापति चुनाव

भाजपा की किरकिरी, बीजेपी के आधिकारिक उम्मीदवार को हराकर बागी नूतन बने सभापति

भाजपा प्रत्याशी हितानंद को 18 के मुकाबले नूतन को मिले 33 वोट, अब्दुल रहमान को 16 वोट

कोरबा (दिव्य आकाश)।

छत्तीसगढ़ के कोरबा नगर निगम में सभापति चुनाव में बीजेपी को बड़ा झटका लगने के साथ जमकर किरकिरी भी हो गई। पार्टी के बागी उम्मीदवार नूतन सिंह ठाकुर ने आधिकारिक प्रत्याशी हितानंद अग्रवाल को बुरी तरह से हराकर सभापति पद पर कब्जा जमा लिया।

दरअसल, मतदान में कुल 67 पार्षदों ने हिस्सा लिया। इनमें बीजेपी के 45, कांग्रेस के 11 और निर्दलीय 11 पार्षद शामिल हुए। चुनाव में नूतन सिंह ठाकुर को 33 वोट मिले, जबकि बीजेपी के आधिकारिक उम्मीदवार हितानंद अग्रवाल को 18 और निर्दलीय प्रत्याशी अब्दुल रहमान को 16 वोट मिले।

बंद कमरे में हुई थी चर्चा

चुनाव से पहले बीजेपी ने पार्टी पर्यवेक्षक पुरेंद्र मिश्रा के नेतृत्व में पार्षदों को मनाने का प्रयास किया। बंद कमरे में लंबी बैठकें हुईं। संगठन ने हितानंद अग्रवाल के नाम पर सहमति जताई, लेकिन नूतन सिंह ठाकुर ने बागी तेवर अपनाते हुए चुनाव लड़ा।

नवनिर्वाचित सभापति नूतन ठाकुर ने कहा कि, उन्होंने भाजपा से टिकट मांगा था और सभापति बनने की इच्छा थी। भाजपा ने टिकट न देने के बाद नूतन सिंह ठाकुर बागी हो गये और सभापति के लिए अपना नामांकन दाखिल किया और अधिकांश पार्षद उनके पक्ष में वोट डाले और वे सभापति बनने में सफल रहे। श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन ने कहा कि, सभी पार्षद एकजुट होकर नूतन सिंह

ठाकुर को जिताया है। उन्होंने आश्वासन दिया कि सभी मिलजुलकर काम करेंगे।

साकेत में राजपूताना राज

महापौर के पद पर राजपूत समाज की महिला श्रीमती संजूदेवी राजपूत के विराजमान होने के बाद अध्यक्ष पद भी राजपूत के हाथ लगा। भाजपा से बागी होकर निर्दलीय अध्यक्ष पद का चुनाव लडने वाले नूतन सिंह ठाकुर चुनाव जीत गये और अपने ही पार्षदों से गच्चा खाकर हितानंद अग्रवाल की करारी हार हो गयी। भाजपा ने लाज बचाने बहाने ढूंढती रही और नूतन सिंह ठाकुर को भाजपा ने जीताया है, कहने लगे। महापौर के बाद अध्यक्ष भी राजपूत समाज से बने और साकेत में राजपूताना राज चलेगा। डॉ. मनीषा सिंह सहित शुभचिंतकों ने नूतन को जीत की बधाई दी है।

निकली विजय रैली

नवनिर्वाचित सभापति नूतन सिंह ठाकुर के पदभार ग्रहण करने के उपलक्ष्य में वार्ड वासियों ने भव्य स्वागत समारोह का आयोजन किया। यह समारोह गाजे-बाजे, फूल-मालाओं और रंग-बिरंगी आतिशबाजी के साथ बेहद उत्साहपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। वार्ड के नागरिकों ने पूरे जोश और उमंग के साथ नूतन सिंह ठाकुर का स्वागत किया। स्वागत जुलूस में ढोल-नगाड़ों की धुन पर लोग झूमते नजर आए। स्थानीय युवाओं ने पटाखे फोड़कर अपनी खुशी का इजहार किया। महिलाओं ने पारंपरिक तरीके से आरती उतारकर सभापति को शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर नूतन सिंह ठाकुर सभापति ने जनता को धन्यवाद देते हुए कहा कि यह जीत केवल उनकी नहीं, बल्कि पूरे वार्ड की है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि वे विकास कार्यों को प्राथमिकता देंगे और जनता की समस्याओं के समाधान के लिए हमेशा तत्पर रहेंगे। समारोह में कई गणमान्य नागरिक, समाजसेवी और स्थानीय नेता भी मौजूद रहे। वार्ड के लोगों ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर इस ऐतिहासिक क्षण को यादगार बना दिया।

3 बांग्लादेशी को पुलिस ने फिर से लिया रिमांड पर

रायपुर (एजेंसी)। रायपुर पुलिस ने न्यायिक रिमांड में जेल में बंद तीन बांग्लादेशी भाइयों को एक बार फिर रिमांड पर लिया है। इनसे अगले दो दिनों तक गहन पूछताछ की जाएगी। एंटी टेररिस्ट स्क्वाड (ATS) की जांच में खुलासा हुआ है कि आरोपियों में मोहम्मद इस्माइल (27), शेख अकबर (23) और शेख साजन (22) ने अलग-अलग देशों में संपर्क साधा था। पूछताछ के दौरान तीनों आरोपियों से उनके विदेशी संपर्कों का पूरा ब्योरा मांगा जाएगा। रायपुर पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि वे किन-किन देशों में किससे संपर्क में थे और उनकी असली मंशा क्या थी।

सुविचार

अनुशासन एक ऐसा तरीका है, जो उसमें कामयाब हो गया, वह हर कार्य में जीत सकता है...।

आखिर कब बंद होगा

जनता का पैसा जनता की रेवड़ी

कर्नाटक से गृह लक्ष्मी योजना से लेकर छत्तीसगढ़ की महतारी वंदन योजना की सफलता के बाद दिल्ली में 27 साल बाद भाजपा की सरकार आयी और यहां की महिलाओं को ढाई हजार प्रतिमाह की रेवड़ी बाटी जाएगी। अब तो देश भर में रेवड़ी अभियान चलने लगा है। रेवड़ी अभियान के कारण मोदी का स्वच्छता अभियान फीका न पड़ जाए, इस बात का ध्यान रखना होगा। इधर रेवड़ी अभियान के कारण विष्णु सरकार को विश्व बैंक से बड़ा कर्ज लेना पड़ रहा है। दूसरी राज्य सरकारें भी विश्व बैंक की चौखट पर माथा टेकने पहुंच रहे हैं, क्योंकि रेवड़ी बांटते-बांटते सरकार के माथे पर सिकन दिख रही है। इधर सरकारों का दावा है कि हमारी सरकार ने महिलाओं को राहत दी है। उन्हीं के पैसे को उन्हीं को देना और विकास कार्य प्रभावित होना... यही चुनाव का ट्रैंड बन चुका है। रेवड़ी अभियान आखिर कब रूकेगा और युवाओं की नौकरी की तलाश कब रूकेगी...। न जाने वह घड़ी कब आएगी जब युवा भी कहेंगे... वाह मोदी जी! आपने हमारी सुनी और हमारे लिए इतनी सारी वैकेंसी निकाली।

संपादक

श्रम साधना...

कठिन परिश्रम से सभी असंभव, संभव हो जाते हैं। जीवन में सफल होना है तो स्वयं पर भरोसा करे और श्रम की साधना करें। कार्य क्षेत्र कोई भी हो, सभी के लिए श्रम साधना अपरिहार्य है। इन दिनों बोर्ड कक्षाओं की परीक्षाएं चल रही हैं और कुछ पेपर संपन्न भी हो गए हैं। बाकी बचे पर्चों के लिए बच्चे श्रम साधना में लीन हो जाएं और जमकर कड़ी मेहनत करें। अभी सुख को देखोगे तो कल कष्ट झेलना पड़ेगा, इसलिए अभी कष्ट सहो और भविष्य में बाकी सुख ही सुख आएंगे। श्रम साधना से बड़े-बड़े पहाड़ों पर रास्ते निकल जाते हैं, ठीक उसी तरह कड़ी मेहनत करोगे तो हर चुनौति पार हो जाएगी। लक्ष्य बड़ा हो तो श्रम साधना भी बड़ी होनी चाहिए। बोर्ड परीक्षा में अच्छे अंक लाना है तो मेहनत कड़ी करो और अनुशासित होकर अपनी जीवनशैली में सिर्फ उसी के लिए अधिक समय दो, जिसका लक्ष्य बनाकर आप आगे बढ़ रहे हो। जितना बड़ा लक्ष्य होगा, मेहनत भी उतनी ही अधिक करनी पड़ेगी। महापुरूषों ने इतिहास यूंही नहीं बना दिया। संसाधन के अभाव में जीने के बाद भी उन्होंने श्रमसाधना को कभी नहीं छोड़ा और उन्होंने अपना लक्ष्य इतना विशाल बना लिया था कि बेकार के कामों के लिए उनके पास समय ही नहीं था। इसलिए आप भी बेकार के कामों के लिए समय की बर्बादी न करें और अपने लक्ष्य को इतना महान बना लो कि आपके पास भी व्यर्थ के कामों के लिए समय ही न बचे।

डॉ गजेन्द्र तिवारी
शिक्षाविद
पाली जिला कोरबा
मो.: 94241-50282

IIFA Awards 2025: लंबे समय बाद एक साथ नजर आए Kareena Kapoor और Shahid Kapoor, कैमरों के सामने एक-दूसरे को लगाया गले

तनाव को हावी न होने दें, सफलता आपकी निश्चित है

मनोवैज्ञानिक शिक्षिका विनीता शर्मा का मानना है कि पालक अपने बच्चों की तुलना दूसरे के बच्चों से करते हैं, जो किसी भी स्थिति में सही नहीं होता है। हर बच्चे में अपनी अलग-अलग प्रतिभा होती है, जरूरत है उसे प्रतिभा को निखारने की और यह महत्वपूर्ण कार्य माता-पिता के अतिरिक्त बेहतर कोई नहीं कर सकता। 1 मार्च से 10वीं एवं 12वीं की परीक्षाएं प्रारंभ हो गई हैं। सभी बच्चे अभी अपनी-अपनी परीक्षाओं में व्यस्त हैं, इसलिए पलकों को चाहिए कि वह अपने बच्चों को प्रोत्साहित करें । छात्र-छात्राओं को विशेष रूप से अपने समय सारणी पर ध्यान देना चाहिए। समय अनुसार पढ़ना-लिखना, खाना- सोना, सब करें। लेखन अभ्यास अति आवश्यक है, इस पर विशेष ध्यान दें । जो भी विषय याद करते हैं, उसे लिख-लिख करके याद करें एवं जितना पढ़ रहे हैं, उसकी दुगना लिखें, क्योंकि लिखी हुई चीजें ज्यादा समय तक हमारे दिमाग में भी विद्यमान रहती हैं। इससे परीक्षा देते समय उत्तर भूलने की संभावना कम हो जाती है। छात्र-छात्राएं रात भर जागकर पढ़ने की गलती ना करें क्योंकि इससे परीक्षा के समय आप थका हुआ महसूस करेंगे और प्रश्नों के उत्तर याद होने पर भी नहीं लिख पाते हैं।

मनोवैज्ञानिक शिक्षिका विनीता शर्मा का मानना है कि परीक्षा के समय विद्यालय आधा घंटा पहले पहुंचें, जिससे आपको अपना रोल नंबर ढूंढने और सही समय पर अपनी जगह में बैठने में कोई समस्या ना हो। परीक्षा कक्षा में ध्यान केंद्रित रखें। आत्मविश्वास रखें एवं शांत दिमाग से सभी प्रश्नों का सोच समझकर उत्तर लिखें, अपना सर्वश्रेष्ठ दें । जिस विषय की भी तैयारी करते हैं, आप उसकी पुनरावृत्ति जरूर करें। परीक्षा में सफल होकर अपने माता-पिता शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं विद्यालय का नाम रोशन करें।

आप कभी यह न सोचें कि सफल नहीं हुये तो क्या होगा क्योंकि हमारी सफलता और असफलता हमारी सोच पर निर्भर करती है। हमेशा सकारात्मक सोच हमेशा आत्मविश्वास के साथ काम लें। आपकी मेहनत ही आपको सफलता प्राप्त करा सकती है ।

मनोवैज्ञानिक शिक्षिका विनीता शर्मा ने10वीं एवं 12वीं की परीक्षा में बैठ रहे विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामनाएं करते हुए यह कहा कि कोई भी परीक्षा आपके सपनों से बड़ी नहीं। प्रेरित रहें, आगे बढ़ें, इन्हीं मंगलकामनाओं के साथ .....

विनीता शर्मा

आधुनिकता और पारंपरिक संस्कृति का अद्भुत मिश्रण है कोयंबटूर शहर

वागामोन, कोयंबटूर से लगभग 60 किलोमीटर दूर स्थित एक सुंदर पर्वतीय स्थल है। यहाँ के शांत वातावरण और सुरम्य दृश्य पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। वागामोन के हरे-भरे पहाड़ी इलाके, झीलें और प्राकृतिक सौंदर्य इसे एक आदर्श स्थल बनाते हैं।

कोयंबटूर, जो तमिलनाडु राज्य का एक प्रमुख शहर है, एक प्रमुख औद्योगिक और वाणिज्यिक केंद्र होने के साथ-साथ पर्यटकों के लिए भी एक आकर्षक गंतव्य है। यह शहर अपनी खूबसूरत पहाड़ियों, झीलों, मंदिरों और हरियाली के लिए प्रसिद्ध है। कोयंबटूर की आधुनिकता और पारंपरिक संस्कृति का अद्भुत मिश्रण इसे एक दिलचस्प पर्यटन स्थल बनाता है। यह शहर उन पर्यटकों के लिए आदर्श है जो एक ओर जहाँ शहर की सुविधाओं का लाभ लेना चाहते हैं, वहीं दूसरी ओर शांति और प्रकृति के बीच समय बिताना चाहते हैं। आइए जानते हैं कोयंबटूर के प्रमुख पर्यटन स्थलों के बारे में।

वागामोन

वागामोन, कोयंबटूर से लगभग 60 किलोमीटर दूर स्थित एक सुंदर पर्वतीय स्थल है। यहाँ के शांत वातावरण और सुरम्य दृश्य पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। वागामोन के हरे-भरे पहाड़ी इलाके, झीलें और प्राकृतिक सौंदर्य इसे एक आदर्श स्थल बनाते हैं। ट्रैकिंग, पर्वतारोहण और कैम्पिंग के शौकिनों के लिए यह स्थान आदर्श है। यहाँ के ठंडे मौसम और ताजगी से भरे वातावरण में एक शानदार अनुभव मिलता है।

वेलंगिरी हिल्स

वेलंगिरी हिल्स, कोयंबटूर के पास स्थित एक प्रमुख पर्वतीय स्थल है, जो प्रकृति प्रेमियों और ट्रैकिंग के शौकिनों के लिए आदर्श है। यह स्थल विशेष रूप से हरे-भरे जंगलों, पक्षियों और विभिन्न प्रकार की वन्यजीवों के लिए प्रसिद्ध है। वेलंगिरी हिल्स तक पहुँचने के लिए एक लंबी ट्रैकिंग करनी होती है, जो साहसिक पर्यटन का शौक रखने वालों के लिए रोमांचक होती है। यह स्थान न केवल प्रकृति प्रेमियों, बल्कि फोटोग्राफी के शौकिनों के लिए भी बहुत आकर्षक है।

कोयंबटूर झील

कोयंबटूर के पास स्थित कोयंबटूर झील एक प्रमुख आकर्षण है। यह झील शहर के शोर-शराबे से दूर, एक शांतिपूर्ण वातावरण प्रदान करती है। यहां पर्यटक नौका विहार का आनंद ले सकते हैं और सुंदर दृश्यावलियों का अवलोकन कर सकते हैं। झील के चारों ओर की हरियाली और शांत वातावरण इसे एक आदर्श स्थान बनाते हैं।

अनामलई हिल्स

अनामलई हिल्स, जिसे अलियारी हिल्स भी कहा जाता है, कोयंबटूर से कुछ ही दूरी पर स्थित है। यह जगह नीलगिरि पहाड़ियों का हिस्सा है और यहां का दृश्य अविस्मरणीय होता है। अनामलई हिल्स का ट्रैकिंग, वन्यजीव अवलोकन और जैव विविधता के कारण यह स्थल बहुत ही खास है। यहाँ स्थित अलियारी वन्यजीव अभयारण्य एक प्रमुख आकर्षण है, जहां आप हाथी, बाघ, तेंदुआ, और अन्य वन्य जीवों को देख सकते हैं।

दून हिल्स

कोयंबटूर से लगभग 40 किलोमीटर की दूरी पर स्थित दून हिल्स, एक और आकर्षक पर्यटन स्थल है। यह स्थान अपने हरे-भरे जंगलों, पहाड़ी दृश्य और ठंडी जलवायु के लिए प्रसिद्ध है। दून हिल्स में ट्रैकिंग और कैम्पिंग का अनुभव बहुत ही रोमांचक होता है। यह स्थान एक आदर्श स्थल है उन पर्यटकों के लिए जो प्रकृति के बीच एकांत और शांति का अनुभव करना चाहते हैं।

पेरियार वाइल्डलाइफ सैंक्चुअरी

पेरियार वाइल्डलाइफ सैंक्चुअरी, जो कोयंबटूर के पास स्थित है, एक प्रसिद्ध वन्यजीव अभयारण्य है। यहाँ पर्यटक जंगल सफारी, बोटिंग और वन्यजीवों के दर्शन कर सकते हैं। यह अभयारण्य, बाघों, हाथियों और अन्य वन्यजीवों के लिए प्रसिद्ध है। यह स्थल प्रकृति प्रेमियों और वन्यजीवों के शौक रखने वाले लोगों के लिए एक आदर्श स्थान है।

संदीपान हिल्स

संदीपान हिल्स, कोयंबटूर के पास स्थित एक और लोकप्रिय पर्वतीय स्थल है। यह क्षेत्र शांतिपूर्ण और सुरम्य वातावरण के लिए जाना जाता है। यह स्थान उन पर्यटकों के लिए आदर्श है जो प्रकृति के बीच समय बिताने के साथ-साथ शांति का अनुभव करना चाहते हैं। यहाँ के ठंडे मौसम और खूबसूरत पहाड़ी दृश्य आपको एक अलग ही दुनिया में ले जाते हैं।

एक्काट्टी झील

कोयंबटूर के पास स्थित एक्काट्टी झील एक शांतिपूर्ण स्थल है, जहां आप प्रकृति का आनंद ले सकते हैं। झील के आसपास की हरियाली और शांति वातावरण को और भी आकर्षक बनाती है। यह स्थल खासकर उन पर्यटकों के लिए आदर्श है जो झीलों और पानी के स्रोतों में रुचि रखते हैं।

विजयनगर किला

विजयनगर किला कोयंबटूर का एक ऐतिहासिक स्थल है। यह किला विजय नगर साम्राज्य के समय का है और यहां की वास्तुकला और ऐतिहासिक महत्व पर्यटकों को आकर्षित करती है। किले के भीतर आप प्राचीन मूर्तियों और खंडहरों को देख सकते हैं, जो इसके गौरवशाली अतीत का प्रतीक हैं।

सिद्धी मंदिर

कोयंबटूर में स्थित सिद्धि विनायक मंदिर एक प्रसिद्ध धार्मिक स्थल है। यह मंदिर भगवान गणेश को समर्पित है और यहां आकर भक्तों को मानसिक शांति मिलती है। यह स्थान विशेष रूप से उन भक्तों के लिए है जो धार्मिक यात्रा और ध्यान में रुचि रखते हैं।

कोयंबटूर एक ऐसा स्थल है जो अपने दर्शनीय स्थलों, धार्मिक स्थलों, और प्रकृति प्रेमियों के लिए आदर्श स्थान प्रदान करता है। यहाँ के पर्वतीय दृश्य, झीलें, वन्यजीव अभयारण्य और ऐतिहासिक स्थल इसे एक आकर्षक पर्यटन गंतव्य बनाते हैं। कोयंबटूर में आपको शहरी जीवन की हलचल के साथ-साथ शांतिपूर्ण वातावरण भी मिलता है, जो इस जगह को एक बेहतरीन पर्यटन स्थल बनाता है। यदि आप दक्षिण भारत की खूबसूरत यात्रा करना चाहते हैं, तो कोयंबटूर निश्चित रूप से आपकी यात्रा सूची में होना चाहिए। एजेंसी।

मथुरा-वृंदावन के इन फेमस मंदिरों में भव्य तरीके से खेली जाती है होली

रंगों का त्योहार होली देशभर में धूमधाम से मनाया जाता है। वहीं लोगों ने होली की तैयारियां भी शुरूकर दी हैं। बता दें कि इस बार 14 मार्च 2025 को होली का पर्व मनाया जाएगा। वहीं राधा रानी की नगरी बरसाने में 40 दिन पहले से ही होली शुरू हो जाती है। होली के मौके पर लोगों को लंबी छुट्टियां मिलती हैं, ऐसे में इन छुट्टियों में बहुत सारे लोग घूमने का प्लान बनाते हैं। मथुरा-वृंदावन में कई ऐसे मंदिर हैं, जहां पर बेहद भव्य तरीके से होली का पर्व मनाया जाता है।

मथुरा-वृंदावन में अलग-अलग तरीके से होली का पर्व मनाया जाता है। ऐसे में इस बार आप पवित्र और आध्यात्मिक जगह पर जाकर होली का त्योहार मना सकते हैं। अगर आप भी इस होली मथुरा-वृंदावन जाने का प्लान बना रहे हैं, तो आपको यहां के कुछ फेमस और प्राचीन मंदिरों के दर्शन जरूर करने चाहिए। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको मथुरा-वृंदावन के कुछ प्राचीन मंदिरों के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पर आप होली खेलने का आनंद ले सकते हैं।

बांके बिहारी मंदिर

बता दें कि बांके बिहारी मंदिर वृंदावन का एक प्रमुख मंदिर है। जहां पर भगवान श्रीकृष्ण की पूजा की जाती है। बांके बिहारी मंदिर की होली विश्व भर में प्रसिद्ध है। इस मंदिर में होली के दिन श्रद्धालुओं पर गुलाल बरसाया जाता है। होली के मौके पर बांके बिहारी मंदिर में भक्तों का जमवाड़ा लगता है।

द्वारकाधीश मंदिर

होली के मौके पर आप मथुरा के द्वारकाधीश मंदिर में भी दर्शन के लिए जा सकते हैं। इस मंदिर में होली खेलने का अलग ही आनंद होता है। यहां का माहौल काफी शांत और अच्छा होता है। जिससे आपको मानसिक शांति मिलेगी। इस मंगिर का प्रांगण बांके बिहारी मंदिर से भी काफी बड़ा है। जिसकी वजह से आप यहां पर बिना किसी धक्का-मुक्की के आराम से दर्शन कर पाएंगे और होली का आनंद भी उठा सकेंगे।

इस्कॉन टेंपल

मथुरा-वृंदावन में होली सेलिब्रेट करने के लिए आप इस्कॉन टेंपल भी जा सकते हैं। यहां पर होली के पर्व की अलग ही रौनक देखने को मिलती है। इस मंदिर में फूलों से होली खेली जाती है और सुबह-शाम के समय भक्त कीर्तन करते हैं। आपको यहां पर विदेशी श्रद्धालु भी राधा-कृष्ण की भक्ति में झूमते मिलेंगे।

प्रेम मंदिर

अगर आप भी इस होली मथुरा-वृंदावन जाने का प्लान कर रहे हैं, तो आपको प्रेम मंदिर जरूर जाना चाहिए। प्रेम मंदिर श्रीराधा-कृष्ण को समर्पित है। इस मंदिर की वास्तुकला देखने योग्य है। यह मंदिर दुनियाभर में फेमस है और दूर-दूर से लोग मंदिर में दर्शन के लिए आते हैं। खासकर होली के समय यहां पर काफी भीड़ देखने को मिलती है। रात के समय यह मंदिर रंग-बिरंगी लाइटों से सजा होता है।

राधा रमण मंदिर

होली और रंगोत्सव देखने के लिए आप राधा रमण मंदिर घूमने जा सकते हैं। इस मंदिर को गोपाल भट्ट गोस्वामी ने स्थापित किया था। इस मंदिर में आप राधा-कृष्ण के दिव्य भक्ति की अनुभूति के लिए यहां आ सकते हैं। यहां पर होली खेलने का आनंद चार गुना बढ़ जाएगा।

एजेंसी।

सबसे पहले
लाइफ इंश्योरेंस

जीवन के साथ भी
जीवन के बाद भी...

एलआईसी का
जीवन उत्सव

उत्सव
मनाने का
गारंटीड तरीका

Plan No.: 871 UIN: 512N363V01

आजीवन गारंटीड रिटर्न
के साथ

ऑनलाइन भी उपलब्ध

पूर्ण आयु जीवन बीमा एवं लाभ भुगतान के विकल्प

- सीमित प्रीमियम भुगतान अवधि 5 से 16 वर्ष
- प्रीमियम भुगतान अवधि के दौरान गारंटीकृत वृद्धि
- नियमित आय लाभ / फ्लेक्सी आय लाभ
- न्यूनतम मूल बीमा राशि 5 लाख

एक नॉन-लिंक्ड, नॉन-पार्टिसिपेटिंग, व्यक्तिगत, बचत, पूर्ण आयु जीवन बीमा योजना

एलआईसी है तो कहीं
और क्यों जाना...

सभी नई पॉलिसियों की अधिक जानकारी के लिए आज ही संपर्क करें-

सालिक राम राजवाड़े
(बीमा अभिकर्ता)
वेदांत बीमा सेवा केंद्र
कार्यालय : प्रेस क्लब तिलक भवन के सामने, रिकाण्डो रोड टी.पी. नगर कोरबा
निवास : सत्यनारायण मंदिर के पास, पोड़ी बहार कोरबा, मो.नं.-90987-52955

LIC
भारतीय जीवन बीमा निगम
LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA

हर पल आपके साथ

वक्त की जरूरत और जमाने की रफ्तार में पीछे रह गया तांगा

ऑटो,मोटर-कारों से तांगे का व्यवसाय हुआ चौपट

(विशेष लेख: कमलज्योति-जिला जनसंपर्क अधिकारी)

कोरबा (दिव्य आकाश)।

ये बाबूजी जरा हटके.. ये बाबूजी जरा बचके... ये भइया जी थोड़ा किनारे... चल धन्नो... चल टाइगर.. चल मेरे राजा...चल मोती..चल ममता... और चल बादल.. ना जाने कितने ऐसे शब्द और वाक्य और नाम है, जो तांगे में सफर तय करने के दौरान राहों में लोगों को घुँघरू और टिक-टिक....टप-टिप-टॉप के बीच भी सुनाई पड़ता था। एक वह दौर था जब गाँव की तंग गलियों से लेकर बड़े शहरों तक के राहों में घुंघरू की आवाज के साथ सिर्फ घोड़ा गाड़ी और बैल गाड़ियां दौड़ा करती थीं। वक्त की जरूरत और समय की रफ़्तार ने हाथ और मशीनों के बीच ऐसा फ़ासला बना दिया कि इसे पार पाना मुश्किल हो गया..।

पहले मुसाफिरों को अपने मंजिल तक पहुंचने के लिए तांगे या बैलगाड़ी से सफर करना पड़ता था। जैसे-जैसे वक्त गुजरता गया.. विकास के आगे बढ़ते पहिये के साथ तांगे के पहिए थम गए। ऑटो से लेकर टैक्सी, बसों ने तांगे के रोजी रोटी व्यवसाय को चौपट तो किया ही, इनके मूल धंधे से दूसरे धंधे में जाने को मजबूर भी किया।

समय के साथ आज सबकुछ बदल सा गया है। पक्की सड़कों के साथ शहर बढ़े या शहरों के साथ सड़कें बढ़ीं। नए दौर ने बीते जमाने की हर चीज़ों को ही पुरानी नहीं किया,अपितु यातायात के साधनों को भी अपने रास्तों से हटाया। ताँगा भी यातायात का एक बहुत ही महत्वपूर्ण और सस्ता साधन था। जमाने के साथ यह ताँगा आगे न बढ़ सका। मोटर - कार के नए अविष्कारों ने लम्बी रेस के घोड़ों की चाल धीमी कर दी।

वह तांगे का दौर ही तो था, न शोर-शराबा था, न प्रदूषण और न ही आज के कलयुग में होने वाली रोज की दुर्घटनाएं...। मुसाफिरों को लेकर घरों के दरवाजों तक पहुंचाने वाले तांगों का अपना रुतबा भी था। शादी-ब्याह सहित हर किसी की खुशी से लेकर गम के माहौल में ताँगा सफर का साथी बना। फिल्मों में भी राज कपूर, दिलीप कुमार, राजेन्द्र कुमार, अमिताभ बच्चन से लेकर अन्य अभिनेताओं ने तांगे के साथ अपने किरदार में खूब शोहरत हासिल की। शोले जैसी सुपरहिट फिल्म में अभिनेत्री हेमामालिनी(बसंती) के जीवनयापन के व्यवसाय से जुड़ा ताँगा उनका मान को बचाने में भी कामयाब रहा। बसंती की तांगे चलाने वाली किरदार और घोड़ी धन्नो की छाप आज भी सबके जेहन में है। मशहूर अभिनेता दिलीप कुमार अभिनीत फ़िल्म नया दौर भी वह फ़िल्म है, जो ताँगे की धीमी होती चाल और मशीन युग के आरम्भ को खूबसूरत ढंग से दर्शाती है। इस फ़िल्म में एक तांगेवाले के रूप में दिलीप कुमार ने मोटर से रेस लगाकर जीत दर्ज की और उस जमाने में सब के दिल में जगह हासिल की। फ़िल्म हावड़ा ब्रिज, तांगे वाला से लेकर मर्द में भी ताँगे का पात्र दर्शकों के आगे हिट रहा..।

तांगे में सफर का आनन्द ही नहीं था, एक घोड़े से लेकर ताँगेवाला और इसमें सफर करने वाले मुसाफिरों के बीच अपनेपन का एक अलग भाव भी विकसित होना आम बात थी। भले ही इन तांगों में बैठने के दौरान किराए को लेकर कितनी भी झिकझिक होती रही हो।

एक वह दौर भी था, जब तक नए अविष्कार नहीं थे, तब तक बिना किसी एयरकंडीशनर के चलने वाले तांगे का सफर सबको सुहाता था। मगर जैसे-जैसे मोटर-कारें आती गई और लोगों ने इस पर सफर लेना आरंभ किया.. वैसे-वैसे मुसाफिरों को मंजिल पर जल्दी पहुंचने की लत सी लग गई। तांगे व बैलगाड़ी से शुरू हुआ सफर अब विमान पर चलने वालों को भी जरा सी अंतराल उबाऊ सी लगती है।

खैर आज भी किसी-किसी जगह में तांगे इक्के-दुक्के ही बचे हैं। बैलगाड़ियों का सफर गाँव में निजी कार्यों के लिए जारी है। बुलेट ट्रेन का ख्वाब पाले लोगों को ताँगा अब टक्कर दे पाएगा! यह सम्भव भी नहीं। फिर तांगे में किराया भी कम है और सवारी न मिलने पर किसी की रोजी रोटी का साधन बन पाएगा यह भी एक सच है।

नए जमाने के साथ अत्याधुनिक वह मोटर कारें ही तो हैं, जो मशीन होकर भी यह बता देती है कि उसे एक लीटर में कितना चलाया जा सकता है...यह करामात काश तांगे में फंदने वाले घोड़े या घोड़ियों को भी आती तो शायद किराए का पैमाना भी यहीं होता..।भले ही इसमें सफर करने वाले किराए के मनमुताबिक सफर करते या न करते..और इस धंधे में लगे ताँगे वालों का जीवनयापन चलता या न चलता..।

तांगे के सड़क पर चाल के साथ अनेक व्यवसाय भी इससे जुड़े हुए थे। घोड़े की नाल और चाबुक, पहिये बनाने के साथ कई गतिविधियां संचालित थी। बहुतों का रोजी का जुगाड़ भी तांगे से था। मोटर-कारों की अपेक्षा इकोफ्रेंडली व प्रदूषण से दूर तांगे का सफर कभी शान की सवारियां भी हुआ करती थी। बग्घी में राजा-महाराजाओं व रसूखदारों की सजी-धजी सवारियां निकलती थीं। तांगों की विशेष सजावट तांगे वाले का अपने तांगे और यात्री के प्रति प्रेम और मोहब्बत का दर्पण जैसा था।

छत्तीसगढ़ के ज्यादातर जिलों में तांगे की अलग पहचान थी। रायपुर, दुर्ग-भिलाई, बिलासपुर सहित महत्वपूर्ण रेल्वे और बस स्टैंड के बाहर टैक्सी, ऑटो, कार की जगह तांगे ही होते थे। इनके लिए अलग से स्टैंड थे। ताँगेवालों का जमावड़ा और आपसी खींचतान नजर आती थीं। कोरबा जैसे औद्योगिक नगरी में भी स्टेशन से ताँगे चलते थे। 92 वर्षीय ओंकार सिंह ठाकुर बताते हैं कि पुराना बस स्टैंड से कोरबा स्टेशन तक सीमित संख्या में ताँगे थे। कोरबा स्टेशन से बालको तक दो तांगे चलते थे। यात्रियों को स्टेशन तक छोड़ने और स्टेशन से घर तक छोड़ने में रिक्शा के साथ तांगा ही आवागमन का प्रमुख साधन थे। अब जबकि सबकुछ सुपरफास्ट हो गया है, ऐसे में छोटे शहर में गिने-चुने ही लोग हैं, जो ताँगा चलाते हैं। तांगे का दिखना नए जमाने के बच्चों के लिए यह किसी कौतूहल व नई चीज से कम भी नहीं। छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चाम्पा जिले के शिवरीनारायण में तांगा चलाने वाले अयोध्या प्रसाद को ताँगा चलाते देख जब कुछ चर्चाएं की, तो उन्होंने बताया कि वह 26 साल से यह चलाता है। बड़ी मुश्किलों से कमाई निकल पाती है। घोड़ी को खिलाना भी पड़ता है। आजकल लोग बहुत जल्दी भी पहुचना चाहते हैं, मोटर, कार का सफर लेना चाहते हैं इसलिए उनका यह धंधा अंतिम सांसे गिन रहा है। तांगे की घंटियों की आवाज मोटर- कार के तेज हॉर्न में दब गई है और सरल जीवन जीने का अहसास कराने वाला तांगे का सफर, छोटी-छोटी खुशियों के बीच जीवन में संतुष्टि देने वाला वह सफर अब यादों में ही सिमट कर रह गया है।

बालको की उत्तरोत्तर प्रगति में महिला कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका

बालकोनगर (दिव्य आकाश)।

वेदांता समूह की कंपनी भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) महिला कर्मचारियों के योगदान और उपलब्धियों का सम्मान करता है। कंपनी महिलाओं की शक्ति, संघर्ष और सफलता को को पहचानते हुए निरंतर उन्हें अपने कार्यबल में शामिल किया है। कंपनी ने महिलाओं को समान अवसर, सम्मान और सुरक्षा देने का प्रयास किया है। महिला कर्मचारियों ने अपने कौशल के माध्यम से बालको के उत्तरोत्तर प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कंपनी से जुड़ी महिला कर्मचारियों की कहानी किसी प्रेरणा से कम नहीं है।

सोनाली प्रियदर्शिनी, माइनिंग इंजीनियर, वेदांता बालको की यात्रा, दृढ़ता और परिवार के अटूट समर्थन की यात्रा है। सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज, क्योंझर, उड़ीसा के खनन इंजीनियरिंग विभाग में पहली महिला छात्राओं के समूह का हिस्सा बनीं। इस क्षेत्र में बढ़ाया कदम व्यक्तिगत उपलब्धियों के साथ अन्य लड़कियों के लिए प्रेरणादायी बना। आज वो वेदांता बालको में एक गौरवशाली खनन इंजीनियर के रूप कार्यरत हैं। उनकी कहानी बाधाओं को तोड़ने और एक ऐसे उद्योग में एक अनूठा रास्ता बनाने की है जहाँ महिलाओं का अक्सर कम प्रतिनिधित्व होता है। करियर में आगे बढ़ते हुए उन्होंने एक बेहतर भविष्य के साथ ही अगली पीढ़ी की लड़कियों को प्रेरित भी किया है।

बालको प्लांट में प्रवेश करते ही प्रवेश द्वार पर मिलती हैं शांत, आत्मविश्वास और शालीनता की पहचान सुरक्षा गार्ड सुमन बंजारे। छत्तीसगढ़ी परिवार में एक लड़के के रूप में जन्मी, उन्हें हमेशा लगता था कि उनके अंदर कुछ ऐसा है जो आस-पास की दुनिया से मेल नहीं खाता। वह जानती थी कि वह बाकियों से अलग एक ट्रांस महिला हैं। दोस्त से मिली जानकारी पर उन्हें बालको में नौकरी के लिए साक्षात्कार दिया और चयन हो गया जो उनके जीवन का एक महत्वपूर्ण मोड़ था। अगस्त 2024 में बालको की लिंग परिवर्तन/पुन: निर्धारण सर्जरी नीति के मदद से सुमन ने सर्जरी करवाई। यह एक परिवर्तनकारी क्षण था, पहली बार सुमन को लगा कि वह वास्तव में वही है जो वह है। आत्म-खोज की उसकी यात्रा पूरी हो गई थी। सुमन की कहानी यहीं नहीं रुकी, 2 फरवरी, 2025 को उसकी शादी हो गई। आज, वो बालको में जी4एस के तहत सुरक्षा प्रभारी के रूप में काम करती हैं, जो कंपनी के लिए एक व्यावसायिक भागीदार है।

महिला ड्राइवर सावित्री चौहान की यात्रा बेहद कठिनाई के साथ शुरू हुई। उनकी दुनिया तब बिखर गई जब 7 साल की उम्र में अपने एकमात्र अभिभावक दादी को भी खो दिया। परिवार के समर्थन के बिना बड़े होने की चुनौतियों का सामना करते हुए जीवन एक संघर्ष बन गया। उन्होंने राजपूत ट्रैवल्स के बारे में सुना, जिन्हें महिला ड्राइवरों की तलाश थी। आज, सावित्री बालको के लिए प्लांट के अंदर और बाहर दोनों जगह चार पहिया वाहन चलाती हैं। वह एक जीवंत उदाहरण है कि महिलाएँ उन क्षेत्रों में भी सफल हो सकती हैं, जहाँ पारंपरिक रूप से पुरुषों का वर्चस्व रहा है। सावित्री ने उस मिथक को तोड़ दिया है। उन्होंने दुनिया को दिखाया है कि महिलाएँ भी अच्छी तरह से गाड़ी चला सकती हैं।

बालको सीएसआर लाभार्थी किसान, पद्मा राठिया कंपनी की दूरदर्शी परियोजना, मोर जल मोर माटी का एक अभिन्न अंग बन गई हैं। पद्मा के लिए यह सिर्फ एक कृषि परियोजना नहीं थी बल्कि उनके समुदाय की महिलाओं के जीवन को बदलने का एक मौका था। दृढ़ संकल्प के साथ उन्होंने उदाहरण पेश करने का बीड़ा उठाया। बंजर भूमि को सब्जियों और मूंगफली के उपजाऊ खेतों में बदलने वाली पद्मा की सफलता सिर्फ उनकी अपनी फसल तक ही सीमित नहीं रही बल्कि उनके गांव में एक क्रांति को जन्म दिया। उनके जुनून और प्रतिबद्धता ने भटगांव की महिलाओं को एकजुट किया है, उन्हें खेती की कला को अपनाने और अपने भविष्य का स्वामित्व लेने के लिए प्रोत्साहित किया है। पद्मा के प्रयासों ने भटगांव को कोरबा जिले में एक प्रमुख कृषि केंद्र में बदल दिया है।

प्रोजेक्ट पंछी की लाभार्थी सान्या कुमारी खुटे हमेशा से ही मेडिकल क्षेत्र में जाने का सपना देखती थी। नर्सिंग की परीक्षा के बाद उनका चयन हो गया, लेकिन आर्थिक बाधा ने कदम रोक दिये। प्रोजेक्ट पंछी परियोजना सीखने और व्यक्तिगत विकास के लिए एक मंच प्रदान किया। साथ ही वेदांता द्वारा खुद को आत्मनिर्भर बनाए रखने का अवसर भी दिया। प्रोजेक्ट पंछी के माध्यम से उसने खुद को रायगढ़ में अपने जैसी कई लड़कियों के साथ पढ़ते हुए पाया, जो अपने पंख फैलाने के लिए तैयार थीं। उसकी यात्रा ने एक नए सपने को प्रेरित किया है। शिक्षकों से प्रेरित अब वह दूसरों को पढ़ाना चाहती है। सान्या एक रसायन विज्ञान की शिक्षिका बनने की इच्छा रखती है, जो ज्ञान और प्रेरणा को दूसरों तक पहुंचाए।

ममता मिरी बालको में शिफ्ट इंचार्ज के रूप में कार्यरत हैं। पोस्ट ग्रेजुएट ट्रेनी के रूप में पॉटलाइन से काम शुरू किया। पॉटलाइन पारंपरिक रूप से पुरुषों के लिए उपयुक्त माना जाता है। लेकिन ममता ने चुनौती से मुंह नहीं मोड़ा। उन्होंने कड़ी मेहनत पर ध्यान केंद्रित किया और सुनिश्चित किया कि उनके कौशल किसी भी रूढ़िवादिता से ज़्यादा ज़ोरदार है। टीम के समर्थन से ममता ने जल्दी ही अपनी भूमिका को अपनाया और उसमें आगे बढ़ीं। दो साल बाद अब वे शिफ्ट इंचार्ज हैं और उनके अधीन 15 लोग काम करते हैं। वे पॉट की दैनिक कार्यक्षमता सुनिश्चित करने, आने वाली किसी भी समस्या का समाधान और पॉटलाइन के सुचारू संचालन को बनाए रखने की ज़िम्मेदारी लेती हैं। उनके नेतृत्व और निर्णय लेने के कौशल ने उनकी टीम की सफलता पर सीधा प्रभाव डाला है। पुष्पांजलि चौहान, सहायक प्रबंधक, सुरक्षा, वेदांता बालको का सपना यही था, वर्दी पहन रक्षा क्षेत्र में अपनी सेवाएं देना। वह राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) में शामिल हो गई। फिर एक दिन वेदांता में साक्षात्कार देने का मौका मिला और उन्हें सुरक्षा विभाग में शामिल होने के लिए चुना गया। चंडीगढ़ में पुष्पांजलि का प्रशिक्षण, जिसने उन्हें अपने सपनों को जीने का मौका दिया। जहाँ वे जूनियर सुरक्षा अधिकारी (जेएसओ) बन गईं। अब वो एक गौरवान्वित पेशेवर के साथ 2.5 साल के बेटे की माँ भी हैं। बालको की क्रेच पहल के सहयोग से वो अपने करियर और मातृत्व को सहजता से संतुलित करने में सक्षम हैं।

पहली बार जिला पंचायत में अध्यक्ष और उपाध्यक्ष निर्विरोध जीते:भाजपा ने लहराया परचम

डॉ. पवन सिंह अध्यक्ष, श्रीमती निकिता जायसवाल उपाध्यक्ष बनी

कोरबा (दिव्य आकाश)।

कोरबा जिला पंचायत में भारी गहमा-गहमी के बीच अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का निर्वाचन संपन्न हुआ। दोनों ही पदों में निर्विरोध निर्वाचन हुआ। जिला पंचायत कोरबा में भाजपा का परचम लहराया। डॉ. पवन सिंह अध्यक्ष एवं श्रीमती निकिता जायसवाल उपाध्यक्ष बनी हैं।

प्रात: 11 बजे कलेक्ट्रेट सभागार में अध्यक्ष के लिए निर्वाचन प्रक्रिया प्रारंभ हुई और 12.30 बजे तक अध्यक्ष के लिए निर्वाचन प्रक्रिया पूर्ण हो गई। भाजपा की रणनीति कामयाब हुई और अध्यक्ष निर्विरोध निर्वाचित हो गया। डॉ. पवन सिंह निर्विरोध अध्यक्ष बने।

इसके बाद दोपहर 2.30बजे उपाध्यक्ष के लिए निर्वाचन प्रक्रिया प्रारंभ हुई और उपाध्यक्ष के लिए सिर्फ निकिता जायसवाल ने नामांकन भरा। इस तरह श्रीमती निकिता जायसवाल को भी निर्विरोध उपाध्यक्ष निर्वाचित घोषित किया गया। अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष का निर्विरोध निर्वाचन होने के बाद भाजपा कार्यकर्ता झूम उठे। पर्यवेक्षक के रूप में बिलासपुर के पूर्व सांसद लखनलाल साहू पहुंचे थे। मनोज शर्मा के नेतृत्व में सभी जनपदों में भाजपा समर्थित अध्यक्ष और उपाध्यक्ष बनने के बाद जिला पंचायत के प्रतिष्ठित अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष पद पर भी भाजपा का परचम लहराया।

जिला पंचायत के 12 सदस्यों में सिर्फ कांग्रेस को एक और गोंडवाना को 1 सीट मिली,जबकि पांच सीटों पर भाजपा को जीत मिली थी, बाकी अन्य निर्दलीय भी भाजपा समर्थित थे। जिला पंचायत सदस्य के रूप में रज्जाक अली ने भी भाजपा को सपोर्ट किया। वे भी उपाध्यक्ष

के लिए रणनीति बना रहे थे और नामांकन भरने की फिराक में थे, लेकिन उन्हें प्रस्तावक भी नहीं मिला और इस तरह निकिता जायसवाल उपाध्यक्ष निर्विरोध निर्वाचित हो गईं। अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का निर्वाचन पूर्ण होने के बाद भाजपाईयों ने जमकर आतिशबाजी की और उल्लास मनाया। चुनाव प्रक्रिया के दौरान परिसर में पूर्व बिलासपुर सांसद लखनलाल साहू, भाजपा जिलाध्यक्ष मनोज शर्मा, पूर्व जिलाध्यक्ष अशोक चावलानी, राजेन्द्र पांडेय, उपाध्यक्ष संजय भावनानी, महामंत्री टिकेश्वर राठिया, दीपका नगर पालिका अध्यक्ष राजेन्द्र साहू, करतला जनपद उपाध्यक्ष मनोज झा, पार्षद नरेंद्र देवांगन, भुवनेश्वर तिवारी, गजेन्द्र मानसर, मुकेश कौशिक, पवन सिन्हा, श्री राठौर, संदीप कंवर, बलराम विश्वकर्मा, विष्णु यादव, विजय जगत, राजेन्द्र राठिया, बृज राठिया, विक्की अग्रवाल, अनूप जायसवाल सहित भाजपा के कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

पाली में नपं उपाध्यक्ष का चुनाव 17 को

पाली (दिव्य आकाश)।

नगर पंचायत पाली में उपाध्यक्ष का चुनाव 17 मार्च को होगा। नगर पंचायत उपाध्यक्ष के लिए जोड़-तोड़ प्रारंभ हो गई है। यहां निर्विरोध निर्वाचन पर संशय है, क्योंकि यहां भाजपा ने 8 सीटें जीती हैं, वहीं कांग्रेस को 6 सीट मिली है, जबकि 1 निर्दलीय पार्षद की विजय हुई है। कांग्रेस से भी उम्मीदवार खड़ा हो सकता है, लेकिन उपाध्यक्ष भी भाजपा से ही तय होगा। प्रमुख नामों में पूर्व अध्यक्ष उमेश चंद्रा सहित निर्दलीय लेकिन भाजपा नेता सोना ताम्रकार शामिल हैं।

भाजपा के वरिष्ठ नेता शिव चौहान के नेतृत्व में भाजपा प्रतिनिधि मण्डल ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से की सौजन्य भेंट

पाली ब्लॉक के प्रवास पर आयेंगे सीएम विष्णु देव साय

पाली (दिव्य आकाश)।

राज्य में भाजपा सरकार बनने के बाद मुख्यमंत्री विष्णु देव साय अब तक पाली ब्लॉक के प्रवास पर नहीं आए हैं। उन्होंने भाजपा प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया है कि वह पाली ब्लॉक के प्रवास पर आएंगे और आम जनता सहित कार्यकर्ताओं से भेंट मुलाकात करेंगे। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता पूर्व जिला महामंत्री शिवकुमार चौहान के नेतृत्व में पाली भाजपा के प्रतिनिधि मंडल ने रायपुर में मुख्यमंत्री निवास में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से सौजन्य मुलाकात की। इस प्रतिनिधिमंडल में पूर्व मंडल अध्यक्ष भैया लाल जायसवाल, आदि शक्ति मां महिषासुर मर्दिनी धार्मिक एवं जन कल्याण न्यास के अध्यक्ष प्रभु लाल चौहान, पूर्व एल्डरमेन नगर पंचायत पाली अशोक श्रीवास्तव, भाजपा मंडल पाली मीडिया प्रभारी हरीश चावड़ा आदि ने श्री चौहान के नेतृत्व में मुख्यमंत्री श्री साय का शाल एवं बुके भेंटकर आत्मीय स्वागत किया और मां महिषासुर मर्दिनी देवी का तैल्यचित्र भेंट कर उन्हें नवरात्रि के अवसर पर चैत्र नवरात्र महोत्सव में चैतुरगढ आने का निमंत्रण दिया। इस प्रवास पर श्री चौहान ने पाली क्षेत्र की आवश्यकताओं और समस्याओं की ओर मुख्यमंत्री श्री साय का ध्यान आकर्षण भी कराया। उन्होंने क्षेत्र की बिजली, पानी, स्वास्थ्य, सड़क की जरूरत,रोजगार के अवसर मुहैया कराने, पर्यटन विकास की आवश्यकता सहित पाली के आसपास खुल रहे कोयला खदान से प्रभावित ग्रामीणों की समस्याओं की ओर ध्यान आकृष्ट कराया। साथ ही किसानों के लिए सिंचाई व्यवस्था सुनिश्चित कर उनकी अर्थव्यवस्था मजबूत करने के लिए भी कार्य योजना तैयार कर क्रियान्वित करने का निवेदन किया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आश्वस्त किया कि सभी समस्याओं पर गंभीरता पूर्वक विचार किया जाएगा और बहुत जल्द पाली ब्लॉक के प्रवास पर भी आएंगे। विदित हो कि श्री चौहान का सीएम श्री साय के साथ लम्बे समय से पार्टी में राजनैतिक और व्यक्तिगत संबंध हैं।

महिला दिवस पर नपं पाली में कार्यक्रम आयोजित

पाली (दिव्य आकाश)।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर नपं पाली सभागार में नगर पंचायत एवं तालुका विधिक सेवा समिति के संयुक्त तत्वावधान में कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें महिला सफाई मित्रों सहित सामाजिक क्षेत्रों में भागीदारी निभाने वाली महिलाओं का सम्मान किया गया।

इस अवसर पर व्यवहार न्यायालय पाली के न्यायाधीश अमित प्रताप चंद्रा ने महिला संबंधित कानून की जानकारी दी। नपं पाली के नवनिर्वाचित अध्यक्ष अजय जायसवाल ने महिला दिवस पर नारी शक्ति को नमन करते हुए कहा, हमने हमेशा महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए काम किया है, क्योंकि महिला हम सबकी जननी है। महिला समाज में विभिन्न भूमिका निभाकर समाज को सशक्त बनाती हैं। नपं की पूर्व अध्यक्ष श्रीमती संजू जायसवाल ने भी संबोधित किया और देश की कई सफल महिलाओं का उदाहरण दिया, जो समाज को नई दशा और दिशा देने के क्षेत्र अपनी अहम भूमिका निभा रही हैं। इस अवसर पर प्रमुख रूप से अधिवक्ता दिलीप जायसवाल, योगेश जायसवाल, प्रतीक्षा शर्मा, पार्षद गीता शुक्ला, पार्षद दीप्ति शर्मा, पार्षद रीमा वर्मा,पार्षद ज्योति उइके, पूनम यादव, दीपक शर्मा, नगर पंचायत सीएमओ पूर्णेंदु तिवारी सहित नपं के कर्मचारीगण, सफाई मित्र दीदी आदि उपस्थित थे। सम्मान पाकर महिलाओं ने आभार जताया।

नपं पाली में महिलाओं का सम्मान

पाली (दिव्य आकाश)। अंतराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर नगर पंचायत पाली वार्ड क्रमांक 01 में भवन निर्माण स्थल में काम कर रहीं महिलाओं को पूर्व पार्षद पवन ध्रुव, सावित्री श्रीवास ,पूर्व एल्डरमैन चमेली सोनी के द्वारा श्रीफल और साड़ी देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अहिल्या बाई, अमरीका बाई, इंदिरा पटेल, सुमित्रा बाई, रमशिला देवी, गीता बाई, लाकेश्वरी बाई आदि उपस्थित रहे।

मंगला चौक बिलासपुर में विशुद्ध आयुर्वेदा : केरला पंचकर्म क्लीनिक का शुभारंभ

मंत्रोच्चार के साथ विद्वान पंडित की उपस्थिति में क्लीनिक का शुभारंभ किया गया और पंचकर्म चिकित्सा विशेषज्ञ डॉ. मनीषा सिंह ने फीता काटा और डायरेक्टर डॉ. सोनिया सिंह को बधाई दी।

बिलासपुर (दिव्य आकाश)।

आयुर्वेद से एमडी करने के बाद कोरबा की प्रसिद्ध पंचकर्म चिकित्सा विशेषज्ञ डॉ. मनीषा सिंह की बहू डॉ. सोनिया सिंह ने बिलासपुर स्थित मंगला चौक में पंचकर्म चिकित्सा हेतु विशुद्ध आयुर्वेदा-केरला पंचकर्म क्लीनिक का गत 6 मार्च को शुभारंभ किया। इस क्षेत्र में यह पंचकर्म चिकित्सा का एक मात्र अस्पताल होगा। डॉ. सोनिया सिंह ने बताया कि पंचकर्म चिकित्सा से पुरानी और क्रिटिकल बीमारियां भी ठीक हो जाती है और पंचकर्म से मानव जाति को निरोगी काया और दीर्घायु की प्राप्ति होती है।

रक्षा मंत्रालय ने रूस से T-72 Tank Engines खरीदने के लिए 248 मिलियन डॉलर का किया सौदा

नई दिल्ली, (एजेंसी)।

रक्षा मंत्रालय ने बताया कि उसने टी-72 टैंकों के लिए इंजन खरीदने के लिए रूस की कंपनी रोसोबोरोनेक्सपोर्ट के साथ 248 मिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग 2,156 करोड़ रुपये) का सौदा किया है।

इस सौदे में चेन्नई में स्थित सरकारी बख्तरबंद वाहन निगम लिमिटेड को प्रौद्योगिकी हस्तांतरण (टीओटी) भी शामिल है। मंत्रालय के अनुसार यह सौदा 1,000 एचपी के इंजन की खरीद के लिए हुआ है। ये इंजन पूरी तरह से तैयार, नॉक डाउन और सेमी-नॉक डाउन स्थिति में होंगे।

इस सौदे का उद्देश्य भारत में मेक इन इंडिया पहल को बढ़ावा देना है। इसके तहत बख्तरबंद वाहन निगम लिमिटेड को रूस से तकनीकी सहायता प्राप्त होगी ताकि यहां पर इन इंजनों का

लाइसेंस प्राप्त उत्पादन किया जा सके।

टी-72 टैंक भारतीय सेना के टैंक बेड़े का अहम हिस्सा हैं जो वर्तमान में 780 एचपी इंजन से सुसज्जित हैं। मंत्रालय ने कहा कि टी-72 टैंकों को 1,000 एचपी इंजन से लैस करने से भारतीय सेना की युद्धक्षेत्र की गतिशीलता और आक्रामक क्षमता में बढ़ोतरी होगी।

बता दें कि यह सौदा भारतीय सेना के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है क्योंकि इससे न केवल सेना की ताकत बढ़ेगी बल्कि मेक इन इंडिया अभियान को भी मजबूती मिलेगी।

शाहरुख, अजय देवगन और टाइगर श्रॉफ की बढ़ी मुश्किलें पान मसाला विज्ञापन को लेकर तीनों पर हुई शिकायत दर्ज

नई दिल्ली, (एजेंसी)।

बॉलीवुड के तीन बड़े सितारे शाहरुख खान, अजय देवगन और टाइगर श्रॉफ को पान मसाला के एक विज्ञापन के कारण मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। इन सितारों के खिलाफ जयपुर के जिला उपभोक्ता विवाद निवारण फोरम में शिकायत दर्ज की गई है। इस मामले में फोरम ने तीनों एक्टर्स को नोटिस जारी किया है।

शिकायत में क्या है आरोप ?

शिकायतकर्ता योगेंद्र सिंह ने आरोप लगाया है कि इन सितारों ने पान मसाला ब्रांड विमल पान मसाला का प्रचार करते हुए झूठा दावा किया कि इसमें केसर मौजूद है। योगेंद्र ने कहा कि इस तरह के भ्रामक विज्ञापन से लोगों को गुमराह किया जा रहा है क्योंकि पान मसाले

में केसर होने का दावा सही नहीं है। उन्होंने इस विज्ञापन पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है।

दूसरी बार हुआ विवाद यह पहली बार नहीं है जब इन एक्टर्स के खिलाफ पान मसाला के विज्ञापन को लेकर शिकायत की गई है। इससे पहले राजस्थान के कोटा में एक सामाजिक कार्यकर्ता इंदर मोहन सिंह हानी ने भी इन तीनों एक्टर्स के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने कहा था कि ये सितारे युवा पीढ़ी को गुमराह कर रहे हैं क्योंकि युवा इनसे प्रेरित होते हैं और जब ये सितारे किसी उत्पाद का प्रचार करते हैं तो उस उत्पाद का असर लाखों लोगों पर पड़ता है।

अक्षय कुमार ने बनाई थी दूरी

इससे पहले अक्षय कुमार भी पान मसाला के एक विज्ञापन में इन सितारों के साथ नजर आए थे जिससे विवाद हुआ था। हालांकि आलोचना के बाद अक्षय कुमार ने उस विज्ञापन से दूरी बना ली थी। अब शाहरुख खान, अजय देवगन और टाइगर श्रॉफ को भी इस विज्ञापन के कारण विवादों का सामना करना पड़ रहा है।नोटिस जारी करने का आदेश जयपुर के जिला उपभोक्ता विवाद निवारण फोरम के अध्यक्ष ग्यारसीलाल मीना और सदस्य हेमलता अग्रवाल ने इन तीनों सितारों के खिलाफ नोटिस जारी करने का आदेश दिया है। अब इन सितारों को जवाब देना होगा कि उन्होंने विज्ञापन में जो दावा किया है वह सही है या नहीं।

भारतीय स्टार्टअप्स की Ghar Wapsi: विदेश से भारत लौटने के लिए भरी उड़ान

नई दिल्ली, (एजेंसी)।

बड़ी संख्या में भारतीय स्टार्टअप्स अब विदेशों से भारत वापस आ रहे हैं और यह प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है। रेजरपे, उड़ान, पाइन लैब्स और मीशो जैसी कंपनियों ने पहले जो फैसला लिया था उसे पलटते हुए अब उन्होंने अपने मुख्यालय को भारत में स्थानांतरित करने का निर्णय लिया है। ज़ेप्टो ने तो पहले ही यह बदलाव पूरा कर लिया है। इसे रिवर्स फ़्लिपिंग के नाम से जाना जा रहा है और इसके पीछे मुख्य कारण बेहतर आईपीओ (इनीशियल पब्लिक ऑफरिंग) संभावनाएं, आसान नियामक अनुपालन और भारत की मजबूत आर्थिक वृद्धि है।

भारत लौटने का कारण

इस बदलाव के पीछे कई कारण हैं। सबसे पहले भारतीय पूंजी बाजार में स्थिरता और उच्च मूल्यांकन की संभावनाएं बढ़ी हैं जिससे स्टार्टअप्स के लिए भारत में लिस्टिंग का विचार आकर्षक हो गया है। एक्सेल के

पार्टनर आलोक बथिजा ने टाइम्स ऑफ इंडिया को बताया कि 50-60 मिलियन डॉलर के राजस्व वाली एक सॉफ्टवेयर कंपनी अब भारत में सूचीबद्ध हो सकती है जबकि अमेरिका में ऐसी लिस्टिंग के लिए लगभग 500 मिलियन डॉलर के राजस्व की आवश्यकता होती है।

फिनटेक कंपनियों के लिए लाभकारी

भारत में मुख्यालय वापस लाने से कंपनियों के लिए नियामक अनुपालन आसान हो जाता है खासकर फिनटेक स्टार्टअप्स के लिए। इन कंपनियों का अधिकांश राजस्व भारत से ही आता है और ये भारत की वित्तीय प्रणाली के तहत काम करती हैं। पीडब्ल्यूसी के पार्टनर अमित नावका के अनुसार फिनटेक कंपनियों के लिए भारत में मुख्यालय होना एक उचित निर्णय है क्योंकि यह उनके लिए नियामकों के साथ तालमेल बनाना आसान बनाता है।

घरेलू फंडिंग के बढ़ते विकल्प

पहले विदेशी स्टार्टअप्स के पास वैश्विक निवेशकों और खासकर अमेरिकी वेंचर कैपिटल फर्मों तक आसानी से पहुंच थी लेकिन अब यह आवश्यकता कम हो गई है। भारतीय वेंचर कैपिटल फंड और पारिवारिक ऑफिस अब इन कंपनियों के लिए निवेश के नए रास्ते खोल रहे हैं। इंडियन वेंचर एंड अल्टरनेट कैपिटल एसोसिएशन के सह-अध्यक्ष सिद्धार्थ पई के अनुसार ऐसे स्टार्टअप्स के लिए अपने देश में वापस आकर काम करना अब आसान हो गया है खासकर अगर वे विनियमित क्षेत्रों में हैं।

भारतीय सरकार द्वारा सरल प्रक्रिया

भारत सरकार ने स्टार्टअप्स के लिए अपनी भारतीय शाखाओं के साथ विलय की प्रक्रिया को सरल बना दिया है। पहले इसके लिए राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण से मंजूरी प्राप्त करनी होती थी लेकिन अब केवल सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक की मंजूरी की आवश्यकता है जिससे इस प्रक्रिया में तेजी आई है।

प्रमुख कंपनियों की घर वापसी

फोनपे जैसी प्रमुख कंपनियों ने भी सिंगापुर से भारत में अपना पंजीकरण स्थानांतरित किया है और इसके लिए 8,000 करोड़ रुपये का कर चुकाया। फोनपे के सह-संस्थापक समीर निगम ने बताया कि यह निर्णय उनके लिए स्पष्ट था क्योंकि भारत ही उनका मूल बाजार है।

रेजरपे का उदाहरण

रेजरपे जैसी कंपनियों के लिए भारत लौटना एक स्वाभाविक कदम था। रेजरपे ने इस बदलाव के लिए 100 मिलियन डॉलर से अधिक का कर चुका लेकिन इसके सीईओ हर्षिल माथुर का मानना है कि यह निवेश सार्थक है। उनका कहना है कि भारत में सूचीबद्ध होने से कंपनी को स्थानीय बाजार में फायदा होगा, जहां लोग उन्हें बेहतर समझते हैं और जानते हैं।

भारत में स्टार्टअप्स की भविष्यवाणी

भारत के वैश्विक स्टार्टअप हब के रूप में उभरने के साथ यह प्रवृत्ति और भी तेज होने की संभावना है। गोल्डमैन सैक्स के प्रमुख सुनील खेतान को उम्मीद है कि 2025 तक यह गति और बढ़ेगी, और भारत वैश्विक उद्यमिता में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में अपनी स्थिति और मज़बूत करेगा। जैसे-जैसे विनियामक सुधार और घरेलू निवेश के विकल्प बढ़ेंगे भारतीय स्टार्टअप्स का विदेशों में मुख्यालय रखना अतीत की बात हो सकता है।

13, 14, 15, 16 मार्च को बंद रहने वाले हैं बैंक

नई दिल्ली, (एजेंसी)।

अगले हफ्ते होली और अन्य त्योहारों के चलते देश के कई राज्यों में बैंक बंद रहने वाले हैं। ऐसे में यदि आपको बैंकिंग से जुड़ा कोई महत्वपूर्ण कार्य निपटाना है, तो पहले छुट्टियों की सूची जरूर देख लें। हालांकि, डिजिटल बैंकिंग सेवाएं जैसे PI, नेट बैंकिंग और एटीएम सेवाएं चालू रहेंगी, जिससे ग्राहक बिना रुकावट के लेनदेन कर सकेंगे।

कब-कब बंद रहेंगे बैंक ?

13 मार्च (गुरुवार)- होलिका दहन और अट्टुकल पोंगाला की वजह से उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, झारखंड और केरल में बैंक बंद रहेंगे।

14 मार्च (शुक्रवार)- होली (धुलेटी/धुलैंडी/डोल जात्रा) के कारण ज्यादातर राज्यों में बैंक बंद रहेंगे।

15 मार्च (शनिवार)- कुछ राज्यों में इस दिन होली मनाई जाएगी, इसलिए अगरतला, भुवनेश्वर, इंफाल और पटना में बैंक बंद रहेंगे।

16 मार्च (रविवार)- साप्ताहिक छुट्टी होने के कारण पूरे देश में बैंक बंद रहेंगे।

22 मार्च (चौथा शनिवार) और 23 मार्च (रविवार)- वीकली हॉलिडे और बिहार दिवस

27 मार्च (गुरुवार)-शब-ए-कद्र (जम्मू में बैंक बंद)

28 मार्च (शुक्रवार)- जुमात-उल-विदा (जम्मू-कश्मीर में बैंक बंद)

30 मार्च (रविवार)- साप्ताहिक छुट्टी

31 मार्च (सोमवार)- रमजान-ईद (ईद-उल-फितर), अधिकतर राज्यों में बैंक बंद रहेंगे।

बैंक छुट्टियों में भी डिजिटल सेवाएं रहेंगी सक्रिय

देशभर में बैंक अवकाश के दौरान भी डिजिटल बैंकिंग सेवाएं जारी रहेंगी, जिससे ग्राहक बिना किसी परेशानी के वित्तीय लेनदेन कर सकेंगे। ग्राहक NEFT/RTGS फंड ट्रांसफर, डिमांड ड्राफ्ट अनुरोध और चेकबुक आवेदन जैसी सेवाओं का लाभ ऑनलाइन उठा सकते हैं। वहीं क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड और एटीएम कार्ड से जुड़े लेनदेन भी निर्बाध रूप से जारी रहेंगे।

इसके अलावा, खाते से जुड़ी अन्य सेवाएं, स्टैंडिंग इंस्ट्रक्शन सेट करना और लॉकर के लिए आवेदन जैसी सुविधाएं भी डिजिटल माध्यम से उपलब्ध रहेंगी।

बदलेगी Share Market Timing, अब 24 घंटे होगी ट्रेडिंग!

मुंबई, (एजेंसी)।

अमेरिका के दूसरे सबसे बड़े एक्सचेंज ऑपरेटर Nasdaq Inc. ने अपने इक्विटी एक्सचेंज पर सप्ताह में पांच दिन, 24 घंटे ट्रेडिंग शुरू करने की योजना बनाई है। यह फैसला अमेरिकी शेयर बाजार की बढ़ती वैश्विक मांग को देखते हुए लिया गया है, जिससे अंतरराष्ट्रीय निवेशकों को अधिक अवसर मिलेंगे।

Nasdaq के प्रेसिडेंट तल कोहेन के मुताबिक, नियामकीय मंजूरी और इंडस्ट्री के अन्य भागीदारों के साथ तालमेल के बाद, यह सुविधा 2026 की दूसरी छमाही तक शुरू हो सकती है। कोहेन ने इस योजना की जानकारी LinkedIn पोस्ट के जरिए साझा की।

Nasdaq की नई रणनीति और प्रतिस्पर्धा

Nasdaq अपने प्रतिद्वंद्वी Cboe Global Markets और Intercontinental

EXchange (NYSE के ऑपरेटर) के नक्शे कदम पर चलते हुए एक्सटेंडेड ट्रेडिंग लॉन्च कर रहा है। Running Point Capital Advisors के पार्टनर और CIO माइकल एश्ले शुलमैन के अनुसार, सिक्योरिटीज इंफॉर्मेशन प्रोसेसर को 24×7 ट्रेडिंग के लिए अपडेट किए जाने के बाद रेगुलेटरी मंजूरी मिलने की संभावना है।

शुरुआत में, Nasdaq कुछ बड़े मार्केट-कैप स्टॉक्स पर एक्सटेंडेड ट्रेडिंग की टेस्टिंग कर सकता है। यह देखना दिलचस्प होगा कि एक्सचेंज इस सुविधा के लिए अतिरिक्त शुल्क लेता है या नहीं। Nasdaq ने अपनी योजना की पुष्टि करते हुए कहा है कि वह जल्द ही अमेरिकी सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज कमीशन (SEC) से अप्रूवल के लिए आवेदन करेगा।

बाजार पर संभावित प्रभाव

एनालिस्ट्स का मानना है कि इस कदम से वैश्विक निवेशकों को अधिक अवसर मिलेंगे मार्केट लिक्विडिटी बेहतर होगी

Nasdaq का ट्रेडिंग वॉल्यूम बढ़ सकता है

Nasdaqके अधिकारी कोहेन ने कहा, हम बाजार को एक नए स्तर पर ले जाने के लिए तैयार हैं। अब समय आ गया है कि निवेशकों की पहुंच बढ़ाई जाए और अमेरिकी इक्विटी मार्केट को नए सिरे से परिभाषित किया जाए।

बहुत खूबसूरत है बॉलीवुड के खलनायक की बेटी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। गैविन पैकर्ड बॉलीवुड के सबसे खूबसूरत खलनायकों में से एक थे जिनकी फीजिक्स के लोग दीवाने थे। उन्होंने कई सुपरहिट हिंदी फिल्मों में छोटी लेकिन मजबूत भूमिकाएं निभाई हैं, जिसमें चमत्कार, सड़क, त्रिदेव, मोहरा और करण अर्जुन फिल्मों के नाम शुमार हैं।

गैविन पैकर्ड अभिनेता होने के साथ एक नेशनल अवॉर्ड विनिंग बॉडीबिल्डर भी थे। वह सुनील शेट्टी, संजय दत्त और सलमान खान के बॉडीगार्ड शेरा समेत बॉलीवुड के कई सेलेब्स के ट्रेनर भी रह चुके हैं। आज भले ही गैविन इस दुनिया में नहीं हैं, लेकिन उनकी बेटी ऐरिका पैकर्ड अपने पिता का नाम रोशन कर रही हैं।

IIFA Awards 2025 में करीना कपूर का रॉयल लुक, वायरल हुई तस्वीरे

मुंबई, (एजेंसी)।

करीना कपूर ने आईफा अवार्ड 2025 में एक ऐसा लुक पेश किया, जिसने सभी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। उन्होंने फैशन डिजाइनर तरुण तहिलियानी की 2008 की मशहूर मॉडर्न इंडिया साड़ी को एक नए और बेहद स्टाइलिश अंदाज में पहना। इस साड़ी का डिजाइन और उसकी खूबसूरती ने करीना के लुक को और भी खास बना दिया।

साड़ी का डिजाइन और स्टाइल

करीना ने जो साड़ी पहनी, वह प्री-ड्रेप्ड साटन-सिल्क साड़ी थी, जिसमें जरदोजी कढ़ाई, गोल्डन बॉर्डर और सीक्विन वर्क का खास इस्तेमाल किया गया था। इस साड़ी की शाही खूबसूरती और उसकी डिटेलिंग ने करीना के लुक को एक नई पहचान दी।

इसके साथ ही, करीना ने एक सिल्क ओवरले भी पहना, जो साड़ी के लुक को और बढ़ा रहा था। इस ओवरले का डिज़ाइन बारीक बॉर्डर और ओपन-फ्रंट था, जो उनके पूरे लुक को और भी एलिगेंट बना रहा था।

स्ट्रक्चर्ड कॉर्सेट ब्लाउज

करीना का यह लुक स्ट्रक्चर्ड कॉर्सेट ब्लाउज के बिना पूरा नहीं हो सकता था। इस ब्लाउज में जरदोजी डिटेलिंग और चौड़ा नेकलाइन था, जो उसे और भी स्टाइलिश बनाता था। इसके स्ट्रैप्स मजबूत थे, जो इसे एक बोल्ड और क्लासी लुक दे रहे थे। ब्लाउज के बैक में शीयर पैनल और रिबन टाईज़ का उपयोग किया गया था, जिससे यह लुक और भी आकर्षक और सशक्त लग रहा था।

ज्वेलरी और एक्सेसरीज़

करीना ने अपनी साड़ी के साथ कुछ बेहद खूबसूरत गोल्ड ज्वेलरी पहनी। उन्होंने एमराल्ड से जड़ी चोकर, बड़े ईयररिंग्स, रिंग्स और एक स्टाइलिश कड़ा पहना था। इन ज्वेलरी आइटम्स ने उनके पूरे लुक को रॉयल टच दिया और करीना की खूबसूरती में चार चांद लगाए।

जी भर जीये... जी भर माँ भारती की सेवा की और

उज्ज्वल विरासत छोड़ गए पं. राम गोपाल पाण्डेय

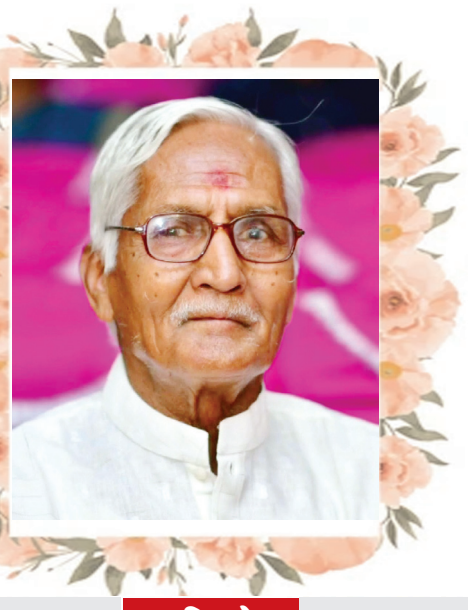

जन्म: 15.09.1934 **स्मृति शेष** निधन: 01.03. 2025

कोरबा (दिव्य आकाश)।

जीवन अनंत है। एक आता है, तो एक जाता है। ईश्वर को भी इहलोक गमन कर जाना पड़ा था, लेकिन उसी का जीवन सार्थक होता है, जो परिवार के साथ अपनी माटी का भी कर्ज चुकाए और समाज को कुछ देकर जाए। कोरबा के मूर्धन्य समाज सेवी और माँ भारती को समर्पित जीवन जीने वाले पंडित रामगोपाल पाण्डेय का जीवन कोरबा के लिए सेवा की एक पूरी किताब था। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रचारक के रूप में काम करने वाले स्व. श्री पाण्डेय ने कोरबा को अपनी कर्मभूमि बनाया और वनवासियों तक शिक्षा की रोशनी पहुंचाने के साथ-साथ उनके जीवन स्तर को मुख्य धारा में लाने के लिए आरएसएस के माध्यम से नशा से दूर रहने के लिए जागरूकता फैलाने के साथ-साथ उनके बीच जाकर जीवन का लक्ष्य समझाते थे।

हिन्दुत्व विचारधारा को आगे बढ़ाने के लिए उन्होंने आरएसएस, जनसंघ, जनता पार्टी और उसके बाद भारतीय जनता पार्टी के बैनर तले जिले के अंतिम छोर तक पहुंचे। तब आदिवासियों को बर्गलाकर धर्मांतरण कराया जाता रहा, ऐसे धर्म से बड़ा कुछ नहीं... की सीख आदिवासियों को देते रहे और उनका जीवन स्तर सुधारने के लिए शासन-प्रशासन तक बातें पहुंचाना, इनकी दिनचर्या में शामिल था। माँ भारती के सपूतों की एक ऐसी टीम थी, जो क्षमता के अनुसार और आरएसएस के राष्ट्रीय स्वयं सेवकों के मार्गदर्शन एवं दिशा निर्देश के अनुसार आदिवासी गरीब परिवारों तक दैनिक उपयोग की वस्तुएं भी पहुंचाया करते थे। विश्व हिन्दू परिषद, बीएमएस जैसे संगठनों के लिए काम किया और विश्व की सबसे बड़ी गैर शासकीय शैक्षणिक संस्थान विद्या भारती के लिए उन्होंने जो काम किया, वह कोरबा के लिए अमिट हस्ताक्षर है।

कोरबा जिले में सरस्वती शिशु मंदिर /हॉयर सेकेण्डरी स्कूल का जाल जो बिछा है, वह रामगोपाल पाण्डेय एवं तत्समय की उनकी टीम का ही योगदान है। शिक्षा के माध्यम से बच्चों को श्रेष्ठ से सर्वश्रेष्ठ बनाने के लिए शिक्षा के साथ-साथ संस्कार की पाठशाला सिर्फ सरस्वती शिशु मंदिर/ हायर सेकेण्डरी स्कूलों में ही संभव है। बेहतर शिक्षा के साथ-साथ सर्वश्रेष्ठ नागरिक बनाना विद्या भारती का सबसे बड़ा लक्ष्य है और इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए स्व. रामगोपाल पाण्डेय के योगदान को कोरबा नहीं भूल सकता। सरस्वती शिक्षण समिति के अध्यक्ष एवं व्यवस्थापक के रूप में अपनी भूमिका निभाते हुए शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक सरस्वती शिशु मंदिर की विभिन्न शाखाओं का शुभारंभ किया और विद्या भारती के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए सर्वश्रेष्ठ शिक्षा को जन सुलभ बनाया और जिले में अधिक से अधिक लोगों तक, यहां तक बीहड़ वनांचल क्षेत्रों तक एकल विद्यालय, एकलव्य विद्यालय, वनवासी आश्रम, जैसे प्रकल्पों को धरातल पर उतारा।

उन्होंने वनांचल क्षेत्रों में प्रवास कर प्रचारक की भूमिका में कई ऐतिहासिक कार्य किए। खासकर आदिवासियों को नशा मुक्ति अभियान से जोड़कर उन्हें मुख्य धारा में लाने के लिए जो प्रयास किया, वह अतुलनीय और ऐतिहासिक है।

भारतीय जनता पार्टी को कोरबा में स्थापित करने के लिए स्व. श्री रामगोपाल पाण्डेय, स्व. बंशीलाल महतो, बनवारी लाल अग्रवाल और ऐसे कई दिग्गजों ने जमीनी स्तर पर काम किया और कोरबा जिले में भाजपा का जो विराट स्वरूप दिख रहा है, यह सब ऐसे महामनिषियों की कर्मठता और कर्तव्य परायणता का प्रतिफल है। स्व. श्री पाण्डेय एकीकृत बिलासपुर जिला के समय कोरबा मण्डल अध्यक्ष का भी जिम्मा निभाया।

एक नजर : जन्म एवं पारिवारिक पृष्ठ भूमि पर

हरदा (म.प्र.) की खिड़किया तहसील के दूरस्थ ग्राम पॅडवा- तारापुर में 15 सितंबर 1934 को जन्मे स्व. श्री रामगोपाल जी पाण्डेय के पिता स्व. भिखाजी पांडेय एक साधारण कृषक थे। स्व. श्री रामगोपाल पाण्डेय ने छिपावड़ जैसी छोटी सी जगह के सरकारी स्कूल में प्रारंभिक शिक्षा प्राप्त कर 1955 में हाईस्कूल (मेट्रिक) की परीक्षा हाईस्कूल हरदा से प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की। बचपन से ही मेधावी रहे स्व. श्री रामगोपाल जी ने संसाधनों के अभावों में भी मेट्रिक की परीक्षा गणित, विज्ञान एवं संस्कृत विषयों में विशेष योग्यता प्राप्त कर पास की, जिसके सुखद परिणामस्वरूप आपकी नियुक्ति डाकतार विभाग के धमतरी (छतीसगढ़) आफिस में सन् 1956 में हुई। 1958 में रायपुर में पदस्थ रहते हुए आपका विवाह 1958 में ही सौ.का. रूक्मिणी पाण्डेय से हुआ जो पांजरा निवासी, वरिष्ठ साहित्यकार एवं समाज संगठन के सक्रिय हस्ताक्षर स्व. श्री अमृतलाल मालवीय (ए.डी.आई.एस.) की छोटी बहिन हैं।

सन 1956 से सन 1963 तक डाकतार विभाग में कर्मठ कर्मचारी के रूप में कार्य करते हुए स्व. श्री रामगोपाल पाण्डेय जी ने कुछ नया कर गुजरने की सोच को लेकर शासकीय सेवाओं से त्यागपत्र देकर स्वयं का व्यवसाय शुरू किया तथा आर.एस.एस. से जुड़कर एक सक्रिय स्वयंसेवक के रूप में अपने शेष जीवन को समर्पित किया। इस दौरान आप कई राष्ट्रीय एवं प्रादेशिक स्तर के राजनेताओं के सम्पर्क में आये, जिनमें से श्री कैलाश जोशी (पूर्व मुख्य मंत्री म.प्र.), श्री प्यारेलाल खंडेलवाल, श्री मुरली मनोहर जोशी, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष कुशाभाऊ ठाकरे प्रमुख हैं। हिन्दुस्तान समाचार सहित कोरबा के कई ख्यातिलब्ध अखबारों के लिए कार्य करते हुए, संपादक का भी दायित्व निभाया और आपने एक निष्पक्ष एवं निर्विवाद संवाददाता के रूप में अपनी छवि बनाई। कर्मठ जीवन, लोगों के लिए संघर्ष करना, माँ भारती के लिए जेल की हवा खाना और कष्ट सहना, अति पिछड़े हुए एवं जनजाति समुदाय के लिए कार्य करना, हिन्दुत्व की परिभाषा समझाकर समाज में सद्भाव व एकता का पाठ पढ़ाना जैसे सुकृत्य से स्व. श्री रामगोपाल पाण्डेय का जीवन आबाद रहा और वे जी भरकर जिये और जी भर कर माँ भारती की सेवा की। वे कहा करते थे - पुरूषार्थ से धन कमाओ और उसका कुछ अंश समाज को समर्पित करो। यही सीख वे अपने परिवार के साथ समाज को दी और उनका सपना था समृद्ध भारत... समृद्ध कोरबा... समृद्ध वनवासी।

उत्तम से सर्वोत्तम बनने की सीख देते रहे स्व. राम गोपाल पाण्डेय

स्व. श्री राम गोपाल पाण्डेय विद्या भारती के सदस्य एवं सरस्वती शिक्षण समिति के अध्यक्ष एवं व्यवस्थापक का दायित्व वर्षों तक निभाते रहे। वे बच्चों को शिक्षा के माध्यम से आजीवन सीख देते रहे और कहते रहे- उत्तम से सर्वोत्तम बनने के लिए प्रयास करते रहना चाहिए और आजीवन जिसे भी सीख मिले... सीखते रहना चाहिए। उन्होंने पुस्तक को मित्र बनाने की सीख भी देते रहे।

कर्मक्षेत्र

मां भारती के लिए जेल गए, पदलोलुपता से रहे कोसों दूर

हिन्दुवादी विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने वाली संस्था आर.एस.एस. के सक्रिय सदस्य होने के कारण आपने सन 1971 में बांगलादेश आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाई, जिसके परिणामस्वरूप आपको जेल जाना पड़ा। सन 1975 के आपातकाल के दौरान भूमिगत रहते हुए भी आपके अंदर छुपा हिन्दुवादी प्रेम आपको जनसंघ, विश्व हिन्दू परिषद, कल्याण आश्रम, कुष्ठ निवारण संघ जैसे सामाजिक व राजनैतिक संगठनों के बैनर तले सामाजिक उत्थान के प्रति सक्रियता कायम रखने में रोक नहीं सका। आपके इस राष्ट्रवादी प्रेम को देख आपातकाल के दौरान जनता पार्टी से विधायक के रूप चुनाव लड़ने हेतू आपके पास प्रस्ताव आया, जिसे आपने यह कहकर ठुकरा दिया कि मैं एक समर्पित कार्यकर्ता हूँ और अपने वर्तमान कार्य से संतुष्ट हूँ। आपकी इस निस्वार्थ सेवा भावना को देख सन 1978 में बाबाराव पौराणिक ने आपको तहसील कार्यवाहक बनाया। सन 1984 से 1994 तक आपने आर.एस.एस. के तहसील संघचालक के पद पर रहते हुए कार्यकर्त्ताओं का कुशल मार्ग दर्शन किया। सरस्वती शिशु मंदिर कोरबा के संस्थापक एवं सन 1969 से लेकर सन 1992 तक व्यवस्थापक के पद पर रहते हुए, आपने सरस्वती शिशु मंदिर का निर्माण करवाया। आपकी हिन्दुवादी विचारधारा ने आपको बाबरी मस्जिद ढांचा ढ़हाने में सहभागिता हेतु प्रेरित किया। जिसके फलस्वरूप दिनांक 06.11.1992 को आपको गिरफ्तार किया गया। ठीक इसी तरह सन 1993 में भी दिल्ली में आयोजित हिन्दू सम्मेलन में जाते समय आपको गिरफ्तार किया गया। चूंकि निस्वार्थ सेवाभावना आपके अंदर कूट-कूट कर भरी हुई थी। अत: आपने सन 1990 में साडा (विषेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण) के चेयरमेन के प्रस्ताव को ठुकराते हुए, उसका संचालक सदस्य बनना स्वीकार किया। लंबे समय तक आप 37 ग्रामीण विद्यालयों में अध्यक्ष रहे और निधन तक इसका निर्वहन किया। कोरबा में सर्वब्राहमण समाज के संरक्षक सदस्य रहे। आपका कुशल मार्गदर्शन पाकर रायपुर, जबलपुर, दुर्ग, भोपाल, इटारसी, होशंगाबाद आदि स्थानों में आयोजित स्थानीय श्री गौड़ मालवीय समाज के सभी कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न होते आये हैं।

आप कोरबा (छत्तीसगढ़) में ही अपनी धर्म पत्नी श्रीमती रूक्मिणी पांडेय एवं तीन सुपुत्रों सुनील पाण्डेय, सुबोध पाण्डेय एवं पंकज पाण्डेय के साथ सामाजिक, राजनैतिक एवं पारिवारिक जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए आपने सुपुत्रों द्वारा संचालित किराना दुकान एवं निर्माण कार्यो में मार्गदर्शन प्रदान करते रहे। आपकी एक मात्र सुपुत्री श्रीमती सुधा पुरूषोत्तम पारे जी (बी.एच.ई.एल.भोपाल से सेवानिवृत्त) के संग एक कुशल गृहणी के रूप में भोपाल में सुखमय जीवन निर्वहन कर रही हैं। स्व. श्री रामगोपाल पांडेय एक अद्वितीय व्यक्तित्व के धनी रहे। वे शिक्षा के साथ संस्कार की अनिवार्यता को जन-जन तक पहुंचाया और सुखद-समृद्ध भारत का सपना देखा।

सामाजिक सरोकार

स्व. श्री रामगोपाल पांडेय ब्राम्हण समाज के गौरव थे। उन्होंने सामाजिक कुरूतियों के खिलाफ थे और शादी विवाह में फिजूल खर्ची को रोकने के लिए सामुहिक विवाह को बढ़ावा दिया। वे स्थानीय ब्राह्मण समाज (श्री गौड़) के सक्रिय सदस्य ही नहीं थे अपितु एक सफल राजनीतिज्ञ एवं सफल व्यवसायी भी रहे। कोरबा में रहते हुए भी आप होशंगाबाद, भोपाल, हरदा, इंदौर, इटारसी जैसे सभी स्थानों पर आयोजित समाज के हर कार्यक्रम में न केवल सम्मलित हुए अपितु सक्रिय भूमिका भी निभाते रहे है। भोपाल में निर्मित सत्कार भवन निर्माण में हर संभव सहयोग प्रदान करने वाले रामगोपाल पाण्डेय जी का सामूहिक विवाहों के आयोजनो में भी भरपूर सहयोग रहा। श्री गौड़ मालवीय ब्राहम्णोंत्पत्ति पत्रिका के प्रकाशक की भूमिका निभाई। आपके सामाजिक सरोकार से कोरबा को सेवा की नई परिभाषा मिली।

शिक्षा और संस्कार से समृद्ध और खुशहाल भारत का सपना

स्व.श्रीरामगोपाल पांडेय का शिक्षा के क्षेत्र में योगदान को कोई नहीं भूल सकता। वे शिक्षा और संस्कार के माध्यम से समाज में सत्व का प्रकाश फैलाने के लिए विद्या भारती के बैनर तले अभूत पूर्व कार्य किये। उनका कहना था कि शिक्षा से लोगों में जागरूकता आती है और संस्कार ही एक ऐसा उपाय है, जिसके जरिये समाज को आदर्श बनाया जा सकता है। संस्कार से ही आपराधिक गतिविधियों में कमी आएगी।

एमपी के पूर्व सीएम कैलाश जोशी के साथ स्व. श्री पांडेय

कोरबा के लिए प्रेरणा थे रामगोपाल जी

शिक्षाविद सूर्य कुमार पांडेय ने कहा कि स्व. पांडेय जी मां भारती के ऐसे सपूत थे, जिन्होंने राष्ट्र जागरण के लिए काम किया। जुड़ावन सिंह ठाकुर ने कहा कि विद्याभारती का जो विराट स्वरूप कोरबा में दिख रहा है, वह पांडेय जी की ही देन है।

स्व. श्री रामगोपाल पाण्डेय का जीवन : एक रोशनी

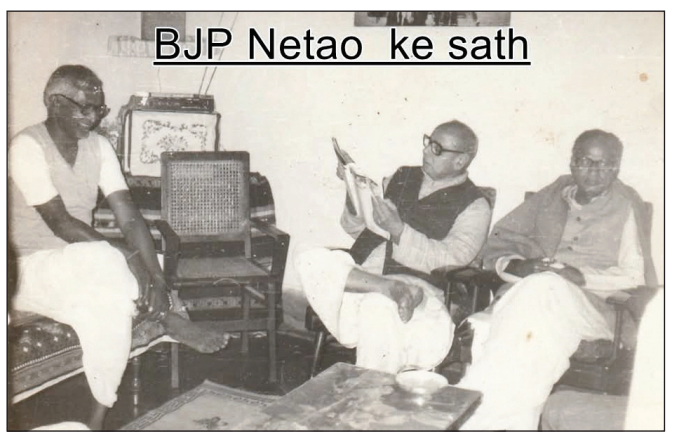

स्व. श्री रामगोपाल पाण्डेय का पूरा जीवन एक रोशनी थी। उन्होंने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष कुशाभाऊ ठाकरे, पूर्व केन्द्रीय मंत्री मुरली मनोहर जोशी, आरएसएस के सर संघ चालक रज्जू भईया, मध्य प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती, प्रदेश के पूर्व गृह मंत्री ननकीराम कंवर जैसे व्यक्तित्वों के साथ काम किया और समाज सेवा के चरम को जन-जन तक पहुंचाने का काम किया। आज स्व. रामगोपाल पाण्डेय समाज सेवा के एक अमिट हस्ताक्षर बन गए।

स्वामी , प्रकाशक ,मुद्रक युधिष्ठिर कुमार राजवाड़े द्वारा मे. डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, नर्मदा कोल्ड्रिंक के पास बिलासपुर से मुद्रित कर प्रेस क्लब भवन के सामने रिकाण्डो रोड कोरबा से प्रकाशित संपादक युधिष्ठिर कुमार राजवाड़े मो.नं.-98266-47851 आरएनआई नंबर CHHHIN/2010/47078 Email :-divyaakash.news@gmail.com